केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

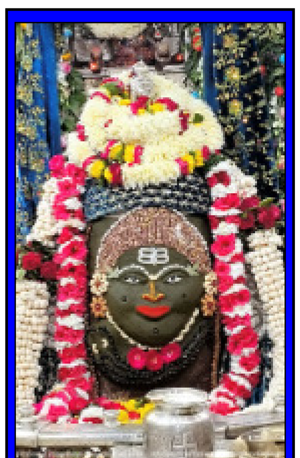

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

दुनिया वो किताब है, जो कभी नहीं पढ़ी जा सकती, लेकिन जमाना वो अध्यापक है, जो सबकुछ सिखा देता है !

वर्ष : 16 अंक : 204 | उज्जैन, शनिवार 3 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरूद्ध लिया सख्त एक्शन

इंदौर के अपर आयुक्त, नगर निगम और प्रभारी अधीक्षण यंत्री निलंबित

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में भागीरथपुरा में दूषित जल प्रदाय से हुई घटना को लेकर जबलपुर के दौरे से लौटने के बाद रात्रि में मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस से जानकारी प्राप्त की। बैठक में संभागायुक्त इंदौर द्वारा बताया कि भागीरथपुरा क्षेत्र में 28 दिसम्बर को उल्टी, दस्त के प्रकरण सामने आए थे। इसका संभावित कारण पेयजल प्रदूषण पाया गया। सूचना मिलते ही नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने त्वरित कार्यवाही की। कुल 13 हजार 444 घरों का सर्वेक्षण किया गया। कुल 310 मरीज भर्ती हुए थे, जिनमें से 235 स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। चौबीस घंटे डॉक्टरों को ड्यूटी तय की गई। रेफेरल के लिए 10 एम्बुलेंस तैनात की गई। अस्पतालों में निःशुल्क उपचार के लिए बेड्स चिन्हांकित किए गए। विशेषज्ञ टीम को मौके पर भेजा गया। शिकायत के निवारण के 24ङ्क7 कॉल सेंटर सक्रिय है। घरों से 1600 से अधिक जल आपूर्ति के नमूने लिए गए। सहायता डेस्क भी स्थापित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे नगर निगम प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। जन-स्वास्थ्य सरकार के लिए सर्वोपरि है। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर के आयुक्त नगर निगम श्री दिलीप यादव को हटाकर मंत्रालय में पदस्थ करने के निर्देश दिए हैं। लापरवाही के लिए अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया और प्रभारी अधीक्षण यंत्री श्री संजीव श्रीवास्तव को निलंबित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश के सभी नगरपालिक निगम के महापौर के साथ संभागायुक्त, कलेक्टर और कमिश्नर नगर निगम के साथ बैठक लेकर नागरिकों को साफ़ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कहा कि प्रदेश के नगरीय निकायों का अमला जनता की सेहत के प्रति सजग और सतर्क रहे। इंदौर में हुई घटना की किसी अन्य जगह पुनरावृत्ति नहीं होना चाहिए। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के तालमेल में कमी नहीं होना चाहिए। पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में प्रशासनिक अधिकारी फोन या अन्य माध्यम से शिकायत की सूचना मिलने पर तत्काल कदम उठाएं।

नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा नागरिकों को साफ़ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए दिशा निर्देश जारी कर बैठक में जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री द्वारा दिशा निर्देश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

नागरिकों को साफ़ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जारी दिशा-निर्देश के प्रमुख बिंदु

सघन आबादी अथवा 20 वर्ष से अधिक पुरानी पाईप लाईन का चिन्हांकन किया जाये।

पुराने एवं बार-बार लीकेज होने वाली पाईप लाईन, नालियों/सीवर पाईपलाईन के समीप अथवा नीचे से गुजरने वाली पाईप लाईनों का चिन्हांकन करें।

चिन्हांकन में पाये गये रिसाव की 48 घंटे के अंदर मरम्मत सुनिश्चित करें।

जल शोधन संयंत्र तथा उच्च स्तरीय टंकियॉं (OHT's)/ Sump Tanks की साफ-सफाई का 07 दिवस के अंदर निरीक्षण करें।

सभी जल शोधन संयंत्रों, प्रमुख जल स्त्रोतों तथा उच्च स्तरीय टंकियों सम्प टेन्कस का तत्काल जल नमूना परीक्षण करें।

प्रदूषण पाए जाने पर तत्काल जल आपूर्ति रोकी जाये एवं वैकल्पिक सुरक्षित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाये।

क्लोरिनेशन सिस्टम की 24×7 निगरानी की जाये।

सभी नगरीय निकायों में पाइपलाइन लिकेज डिटेक्शन हेतु जन जागरूकता अभियान चलाया जाये।

जल आपूर्ति से संबंधित प्राप्त शिकायतों को इमर्जेंसी में रखा जाये।

न्यूज ब्रीफ

यह आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप, दिल्ली हिंसा के आरोपी खालिद को ममदानी के पत्र पर भड़की भाजपा

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिका के न्यूयार्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी की ओर से दिल्ली हिंसा के आरोपित उमर खालिद को लिखे पत्र पर भाजपा भड़क उठी है। भाजपा ने इसे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बताया। साथ ही कहा कि भारत इस तरह के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगा। भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा, यदि कोई भी किसी आरोपित के समर्थन में सामने आता है और अगर भारत की संप्रभुता को चुनौती दी जाती है, तो 140 करोड़ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट होकर खड़े होंगे। वीएचपी ने भी की निंदा उन्होंने कहा कि भारत की जनता को देश की न्यायपालिका पर पूर्ण विश्वास है। खालिद पर फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों के मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप है। इसमें 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। वहीं, विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने भी पत्र की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि भारत को विभाजित करने की बात करने वाले अपराधियों के बचाव में आकर ममदानी ने कुरान का अपमान किया है। वीएचपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने उन अमेरिकी सांसदों की भी कड़ी आलोचना की, जिन्होंने भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा को पत्र लिखकर खालिद को जमानत देने का आग्रह किया है। यह पत्र खालिद की साथी बनोज्योत्सना लाहिड़ी ने एक्स पर पोस्ट किया। पत्र के साथ कैप्शन में लिखा था, जब जेलें लोगों को अलग-थलग करने की कोशिश करती हैं, तो शब्द फैल जाते हैं। पत्र में लिखा है, प्रिय उमर, मैं अक्सर कड़वाहट पर आपके शब्दों और इसे स्वयं पर हावी न होने देने के महत्व के बारे में सोचता हूं। आपके माता-पिता से मिलकर बहुत खुशी हुई। हम सभी आपके बारे में सोच रहे हैं। वहीं, आठ अमेरिकी सांसदों ने भारत सरकार को पत्र लिखा है। सांसदों के समूह ने भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा को पत्र लिखकर खालिद को जमानत देने और निष्पक्ष और समयबद्ध सुनवाई की मांग की है।

बुरे पड़ोसियों से अपने नागरिकों को बचाने के लिए जो करना होगा भारत तय करेगा; जयशंकर की दो टूक

नई दिल्ली/ जीएनएस। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत बुरे पड़ोसियों से अपने नागरिकों को बचाने के लिए जो करना होगा, वह करेगा। भारत को आतंकवाद से अपना बचाव करने के अधिकार है और कोई भी यह निर्देश नहीं दे सकता कि वह अपनी रक्षा कैसे करे। भारत अपनी रक्षा के लिए जो भी आवश्यक होगा, करेगा। आइआइटी मद्रास के टेक्नो-एंटरटेनमेंट फेस्ट शास्त्र-2026 के उद्घाटन के मौके पर जयशंकर ने कहा, आपके पड़ोसी बुरे भी हो सकते हैं। दुर्भाग्य से, हमारे हैं। खासकर पश्चिम वाला। अगर कोई देश तय करता है कि वह जानबूझकर, लगातार और बिना पछताए आतंकवाद जारी रखेगा, तो हमें अपने लोगों को आतंकवाद से बचाने का अधिकार है। हम उस अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। हम उसका इस्तेमाल कैसे करेंगे, यह हम पर है। कोई हमें निर्देश नहीं दे सकता कि हमें क्या करना चाहिए या क्या नहीं। हमें अपनी रक्षा के लिए जो भी करना होगा, वह करेंगे। विदेश मंत्री ने कहा, कई वर्ष पहले हमने जल बंटवारे की व्यवस्था पर सहमति जताई थी, लेकिन अगर दशकों तक आतंकवाद जारी रहे, तो अच्छे पड़ोसी वाले संबंध नहीं हो सकते। आप यह नहीं कह सकते कि कृपया मेरे साथ पानी साझा कीजिए, लेकिन मैं आपके विरुद्ध आतंकवाद जारी रखूंगा। यह मुमकिन नहीं है। बांग्लादेश में अशांति के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ढाका की अपनी हालिया यात्रा के बारे में बात की। उन्होंने कहा, हमें कई तरह के पड़ोसी मिले हैं, अगर आपका कोई पड़ोसी अच्छा है या कम से कम आपके लिए नुकसानदायक नहीं है, तो आपकी स्वाभाविक प्रवृत्ति उसके प्रति दयालु होने व उसकी मदद करने की होती है और एक देश के तौर पर हम यही करते हैं।

CISF की महिला बैंड ने रचा इतिहास, अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता में जीता गोल्ड

नई दिल्ली/ जीएनएस। CISF के महानिदेशक प्रवीर रंजन ने 2 जनवरी 2026 को CISF मुख्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में CISF महिला बैंड को सम्मानित किया। इस समारोह में फोर्स मुख्यालय और दिल्ली स्थित CISF इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

इस कार्यक्रम में बल के मुख्यालय और दिल्ली की विभिन्न इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। यह सम्मान 26वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता में बैंड की शानदार सफलता के लिए दिया गया, जहां उन्होंने अनुशासन, सटीकता और पेशेवर कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में मिली अभूतपूर्व सफल- यह प्रतियोगिता 16 से 20 दिसंबर 2025 तक सिकंदराबाद में हुई थी। CISF महिला बैंड, जिसमें एक बैंड मास्टर, 33 मुख्य बैंड सदस्य और दो रिजर्व सदस्य शामिल थे, ने महिला ब्रास बैंड श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता।

इसके अलावा, उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला दल का समग्र पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ बैंड कंडक्टर का सम्मान भी मिला, जो रुष्टञ्ज लिडिया चिंगबियाकसियाम को दिया गया। देश में बहुत कम सुरक्षा बलों के पास महिला ब्रास बैंड हैं, ऐसे में यह उपलब्धि CISF के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह न केवल बल की औपचारिक क्षमताओं को उजागर करती है, बल्कि सांस्कृतिक क्षेत्र में भी इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाती है।

टीम का नेतृत्व सहायक कमांडेंट श्रीमती भावना यादव ने टीम मैनेजर के रूप में किया। ASI/Exe अरुण छेत्री ने विशेषज्ञ प्रशिक्षण प्रदान किया, जबकि छह प्रशिक्षकों की टीम ने संगीत समन्वय और प्रस्तुति के उच्च स्तर को सुनिश्चित किया।

बैंड की स्थापना से लेकर अभी तक की यात्रा- CISF महिला बैंड की शुरुआत सितंबर 2023 में हुई थी। इसमें शामिल अधिकांश महिला कांस्टेबलों की भर्ती जनरल ड्यूटी एंट्री से की गई और कईयों के पास संगीत का कोई बैकग्राउंड नहीं था। इन्हें मेजर (सेवानिवृत्त) नजीर हुसैन जैसे अनुभवी संगीत गुरुओं और ढ्ढत्र सरोज कांत मल्लिक के नेतृत्व में चुना और प्रशिक्षित किया गया।

खाप पंचायत ने परिवार को गांव से निकाला, मदद करने पर 11,000 का जुर्माना; क्या है पूरा मामला?

उदयपुर/ जीएनएस। राजस्थान के उदयपुर जिले में ओगणा पंचायत समिति के वीरपुरा गांव में एक परिवार को खाप पंचायत के फैसले के तहत गांव से बेदखल किए जाने का मामला सामने आया है।

पंचायत ने परिवार के किसी सदस्य द्वारा उनसे बातचीत करने या उनके किराना स्टोर से सामान लेने पर 5,100 रुपए और प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग करने पर 11,000 रुपए जुर्माना तय किया।

पीड़ित रतनलाल पटेल ने कलेक्टर और एसपी को सुनाई पीड़ा में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। रतनलाल का कहना है कि वे दिनेश जैन के अधीन बाउंड्रीवॉल का काम कर रहे थे, जिसे लेकर कुछ ग्रामीणों ने अवैध कब्जे का आरोप लगाकर विरोध किया। रतनलाल ने विरोध के बाद काम रोक दिया, फिर भी पंचायत ने उनके हुक्का-पानी बंद करने और आर्थिक जुर्माना लगाने का निर्णय किया।

इस मामले में 26 दिसंबर को प्रकरण दर्ज किया गया, लेकिन छह दिन बीतने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। रतनलाल ने बताया कि उन्हें, उनकी पत्नी और बेटे को धमकियां मिल रही हैं, जिससे वे घर से बाहर नहीं निकल पा रहे।

KKR में बांग्लादेशी खिलाड़ी को लेकर बुरे फंसे शाह रुख खान, बीजेपी के बाद अब शिवसेना ने दी चेतावनी

नई दिल्ली/ जीएनएस। मुंबई में इंडियन प्रीमियर लीग को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक और अभिनेता शाह रुख खान से शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) ने मांग की है कि वह अपनी टीम से बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्ताफिजुर रहमान को तुरंत हटाएं। यह बयान ऐसे समय आया है, जब बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसक घटनाओं को लेकर भारत में आक्रोश बढ़ा हुआ है।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि बांग्लादेशी और पाकिस्तानी खिलाड़ियों को भारतीय धरती पर आइपीएल खेलने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

वैवाहिक कलह में पति का आर्थिक प्रभुत्व क्रुरता नहीं, सुप्रीम कोर्ट का एक आदेश और रद हुआ आपराधिक केस

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बिगड़े वैवाहिक संबंधों में पति का अपनी अलग रह रही पत्नी पर आर्थिक प्रभुत्व क्रूरता नहीं है। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि आपराधिक मुकदमेबाजी को हिसाब-किताब बराबर करने और व्यक्तिगत प्रतिशोध लेने का जरिया नहीं बनाया जा सकता।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर. महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी अलग रह रहे पति के खिलाफ पत्नी द्वारा दर्ज आपराधिक मामले को रद करते हुए की। पत्नी ने पति पर क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इससे पहले तेलंगाना हाई कोर्ट ने एफआईआर को रद करने से इन्कार कर दिया था। निरस्त किया गया हाई कोर्ट का आदेश

हाई कोर्ट के आदेश को निरस्त करते हुए जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि पति का आर्थिक और वित्तीय प्रभुत्व क्रूरता का उदाहरण नहीं माना जा सकता। खासकर तब जब कोई स्पष्ट मानसिक या शारीरिक क्षति न हुई हो। यह स्थिति भारतीय समाज का आईना है, जहां घर के पुरुष अक्सर महिलाओं पर हावी होने और उनके पैसे पर नियंत्रण रखने की कोशिश करते हैं।

पड़ोसी देश सीधे सीआईएल से खरीदेंगे कोयला. कोल इंडिया लिमिटेड ने आसान बनाया नियम

नई दिल्ली/ जीएनएस। सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपने ऑनलाइन कोयला नीलामी में पड़ोसी देशों के खरीदारों को सीधे भाग लेने की अनुमति दे दी है। अब बांग्लादेश, भूटान और नेपाल के उपभोक्ता भारतीय व्यापारियों के माध्यम से जाने की बजाय खुद नीलामी में बोली लगा कर, भारतीय कोयला खरीद लेंगे।

कंपनी का कहना है कि यह फैसला अतिरिक्त कोयला संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए लिया गया है।

पहले इन देशों के खरीदार केवल भारतीय व्यापारियों के जरिए ही कोयला खरीद सकते थे, जो बिना किसी अंतिम उपयोग प्रतिबंध के खरीद-बिक्री कर सकते थे। इस तरह से सीधे कोयला खरीदने से इन देशों को फायदा भी होगा। इस फैसले से सबसे ज्यादा नेपाल और बांग्लादेश को फायदा होगा क्योंकि वहां सबसे ज्यादा भारतीय कोयला जाता है।

नेताओं के प्रति पैदा हुआ विश्वास का संकट, राजनाथ सिंह ने क्यों कही ये बात?

उदयपुर/ जीएनएस। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत की राजनीति और नेताओं के प्रति विश्वास का संकट पैदा हुआ है। नेताओं के कथन और आचरण में अंतर के कारण यह स्थिति बनी है और इसे एक बड़ी चुनौती के रूप में स्वीकार करना होगा। वे उदयपुर में विद्या प्रचारिणी सभा और बीएन संस्थान के 104वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाके का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि जांच में ऐसे लोग सामने आए जो व्हाइट कॉलर माने जाते थे। उन्होंने कहा, एक आरोपी डॉक्टर था, जो अपनी पर्ची पर आरएक्स लिखता था, लेकिन उसके पास से आरडीएक्स मिला। यह घटना बताती है कि ज्ञान के साथ संस्कार होना कितना जरूरी है।

भारत बोलता है तो दुनिया सुनती है

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत 2030 तक दुनिया की टॉप-3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। रक्षा क्षेत्र में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है और हथियार निर्माण में भारत तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है। उन्होंने कहा, एक समय था जब भारत की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन आज भारत बोलता है तो दुनिया सुनती है।

मेरे भीतर का शिक्षक आज भी जिंदा- राजनीति में आने को लेकर उन्होंने कहा, मेरे भीतर का शिक्षक आज भी जीवित है। राजनीति में आना मेरे लिए एक संयोग था। हमारे यहां कहते हैं– फिसल पड़े तो हर-हर गंगे। कुछ ऐसा ही मेरे साथ हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अपने राजनीतिक जीवन में कभी अनावश्यक आश्वासन नहीं देते, क्योंकि वादों और हकीकत के अंतर से ही विश्वास का संकट गहराया है।

सैनिक स्कूल की मांग पर क्या बोले रक्षा मंत्री- उदयपुर में सैनिक स्कूल की मांग पर उन्होंने कहा कि बीएन संस्थान के दोनों स्कूलों की निरीक्षण रिपोर्ट सकारात्मक है और वे इस विषय में अपनी ओर से पूरा प्रयास करेंगे।

इंदौर यातायात पुलिस ने वर्ष 2025 में चलाए व्यापक जागरूकता अभियान, लाखों नागरिकों तक पहुँचा सड़क सुरक्षा का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सुगम, सुरक्षित और अनुशासित यातायात व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से इंदौर यातायात पुलिस द्वारा वर्ष 2025 के दौरान व्यापक स्तर पर सड़क सुरक्षा और यातायात जागरूकता अभियान संचालित किए गए। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह तथा पुलिस उपायुक्त (यातायात/जोन-4) श्री आनंद कलादगी के मार्गदर्शन में 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक शहरभर में लगातार जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं।

वर्ष 2025 के दौरान यातायात पुलिस ने स्कूलों, कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों, शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों, औद्योगिक इकाइयों, व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और आम नागरिकों के बीच सड़क सुरक्षा को लेकर निरंतर संवाद स्थापित किया। इन अभियानों के माध्यम से नागरिकों को यातायात नियमों, सुरक्षित वाहन संचालन, हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचाव, नशे की हालत में वाहन न चलाने, मोबाइल फोन का उपयोग न करने, गलत दिशा में वाहन न चलाने और सिग्नल अनुशासन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया।

यातायात पुलिस इंदौर द्वारा वर्ष 2025 में कुल 184 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से 43 हजार से अधिक नागरिकों तक प्रत्यक्ष रूप से पहुंच बनाई गई। युवाओं और विद्यार्थियों को विशेष रूप से सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए संवादात्मक सत्र, प्रेजेंटेशन, डेमो और प्रश्न-उत्तर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके साथ ही डिजिटल स्क्रीन रथ, वाहन रैली, मानव श्रृंखला, नुक्कड़ नाटक, ट्रैफिक पार्क भ्रमण और स्कूलों में चित्रकला प्रतियोगिताओं के जरिए लाखों लोगों तक सड़क सुरक्षाङ्कजीवन रक्षा का संदेश अप्रत्यक्ष रूप से पहुंचाया गया।

आम नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने के लिए 25 अक्टूबर 2025 से ट्रैफिक प्रहरी अभियान की शुरुआत की गई, जिसे शहरवासियों का सकारात्मक समर्थन मिला। अब तक 2545 जिम्मेदार नागरिक इस अभियान से जुड़कर शहर के प्रमुख चौराहों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उत्कृष्ट सेवा देने वाले ट्रैफिक प्रहरियों को प्रति मंगलवार पुलिस कमिश्नर द्वारा सम्मानित भी किया जा रहा है।

यातायात व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 22 सितंबर 2025 को यातायात पुलिस द्वारा व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 7049107620 जारी किया गया। हेल्पलाइन शुरू होने से दिसंबर 2025 तक कुल 1474 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 1452 शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष शिकायतों पर कार्यवाही जारी है। इसके अतिरिक्त दो माह में 11 हेलमेट वितरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर 1000 से अधिक जरूरतमंद वाहन चालकों को हेलमेट प्रदान किए गए, जिससे हेलमेट पहनेंङ्कसुरक्षित रहें अभियान को व्यापक समर्थन मिला।

सड़क सुरक्षा से जुड़े विषयों पर आधारित 11 शॉर्ट फिल्में भी तैयार की गईं, जिन्हें स्कूलों, कॉलेजों, मॉल और विभिन्न संस्थानों में प्रदर्शित कर नागरिकों को जागरूक किया जाएगा। यातायात पुलिस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से भी नियमों और जागरूकता संदेशों का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया गया, जिससे कम समय में लाखों लोग सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक हुए। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने भी यातायात संबंधी कार्यक्रमों और सूचनाओं के प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इंदौर यातायात पुलिस का उद्देश्य केवल चालानी कार्रवाई तक सीमित न रहकर नागरिकों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना रहा है, ताकि सड़क सुरक्षा को एक सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में स्थापित किया जा सके। वर्ष 2025 में किए गए इन प्रयासों के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों तक सड़क सुरक्षा का संदेश पहुंचाया गया। यातायात पुलिस इंदौर ने स्पष्ट किया है कि वर्ष 2026 में भी सड़क सुरक्षाङ्कजीवन रक्षा के संकल्प को साकार करने के लिए व्यापक और सतत जागरूकता अभियानों को निरंतर जारी रखा जाएगा।

वित्तीय अनियमितता पर ग्राम पंचायत को वसूली का नोटिस जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले की ग्राम पंचायत पिपलिया में वित्तीय अनियमितता पाये जाने पर ग्राम पंचायत को वसूली का नोटिस जारी किया गया है। यह कार्रवाई मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत डा. अम्बेडकर नगर महू द्वारा की गई है। बताया गया कि ग्राम पंचायत पिपल्या के ग्रामीणजनों से ग्राम पंचायत में वित्तीय अनियमितताओं के संबध में शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत को संज्ञान में लेते हुये जनपद स्तरीय जांच दल बनाया गया। उक्त जॉच दल से प्राप्त जॉच प्रतिवेदन अनुसार ग्राम पंचायत पिपल्या में प्रथम दृष्टया वित्तीय अनियमितता पाई गई, जिसमें ग्राम पंचायत को 18. 41 लाख रुपये की वसूली का नोटिस जारी किया गया है एवं 01 सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने के लिये निर्देशित किया गया है। जांच में वित्तीय अनिमितताएं अंतिम रूप से सिद्ध होने पर ग्राम पंचायत के विरूद्ध ग्राम स्वराज एवं पंचायतराज अधिनियम की धारा 89 एवं 92 में कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी।

बिजली कंपनी के एमडी श्री सिंह ने ली मिटिंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री अनूप कुमार सिंह ने नए कैलेंडर वर्ष की प्रथम मीटिंग शुक्रवार को ली। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्मिक अपनी पूर्ण क्षमता, सकारात्मक भाव, उपभोक्ता सेवा, कंपनी हित में कार्य करें। प्रत्येक कार्मिक अपना श्रेष्ठतम प्रयास कंपनी शासन के हित में करें, उत्कृष्ट बिजली सेवाओं में अपना योगदान दे। श्री सिंह ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति, समय पर राजस्व संग्रहण, लॉस घटाने व अन्य प्राथमिकताओं को पूरा किया जाए। श्री सिंह ने कार्मिकों को तकनीकी एवं कंपनी नियमों, अभिलेखों के ज्ञान पर विशेष ध्यान देने को कहा ताकि कम समय में कार्य हो, त्रुटिरहित अभिलेख संधारण हो सके। नए वर्ष के मौके पर अधिकारियों ने प्रबंध निदेशक का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत भी किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान, कार्यपालक निदेशक श्री गजरा मेहता, मुख्य अभियंता श्री एसएल करवाड़िया, श्री एसआर बमनके, श्री कामेश श्रीवास्तव, श्री गिरीश व्यास, मुख्य वित्त अधिकारी श्री अजयपाल सिंह अवास्या समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

सबसे स्वच्छ शहर की सबसे गंदी सच्चाई: जब इंदौर में नल से पानी नहीं, ज़हर बहा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत का सबसे स्वच्छ शहर– यह टैगलाइन अब पोस्टर और प्रेज़ेंटेशन तक ही सीमित रह गई है। ज़मीनी हकीकत में इंदौर ने ऐसा अध्याय लिखा है, जिसे न तो कोई पुरस्कार ढक सकता है और न ही कोई रैंकिंग धो सकती है। जिस शहर को दुनिया भर में सफ़ाई, प्रबंधन और स्मार्ट गवर्नेंस का मॉडल बताया जाता रहा, वहीं एक बस्ती में लोगों ने साफ़ पानी नहीं, सीधा मौत का घोल पी लिया।

कटाक्ष यह है कि इंदौर की गलियों में कचरा तो अलग-अलग डिब्बों में जाता है, लेकिन सीवेज और पीने का पानी एक ही पाइपलाइन में मिल गया। स्वच्छता के पोस्टर दीवारों पर चमकते रहे और ज़मीन के नीचे ज़हर बहता रहा। परिणाम– करीब 15 मौतें, दर्जनों आईसीयू में और हज़ारों लोग संदिग्ध मरीजों की सूची में। शहर का प्रशासन कहता है, जांच जारी है।

लोग पूछते हैं, क्या हमारी जान भी 1 फाइल नंबर थी- कई महीनों से नल के पानी से बदबू आने की शिकायतें होती रहीं, लेकिन सिस्टम इतना 'क्लीन' था कि शिकायतें कहीं दिखीं ही नहीं। ऊपर से बिना सेप्टिक टैंक का सार्वजनिक शौचालय और नीचे से गुजरती पेयजल पाइपलाइन–यह कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि शहरी लापरवाही का परफेक्ट डिज़ाइन था।

अब जब अंतरराष्ट्रीय मीडिया सवाल उठा रहा है, तब अचानक सब जाग गए हैं। मुख्यमंत्री आश्वासन दे रहे हैं, नेता बयान दे रहे हैं, अधिकारी निलंबित हो रहे हैं। मगर जिन घरों में चूल्हे ठंडे पड़ गए, उनके लिए ये बयान किसी फ़िल्टर किए हुए पानी जैसे ही हैं–दिखने में साफ़, असर में खोखले।

इंदौर ने देश को यह सिखा दिया कि स्वच्छता रैंकिंग से शहर साफ़ नहीं होते, सिस्टम से होते हैं। और जब सिस्टम सड़ जाए, तो सबसे पहले पानी ज़हरीला होता है–फिर राजनीति, फिर भरोसा। अब सवाल यह नहीं है कि इंदौर में क्या हुआ, सवाल यह है कि अगला सबसे स्वच्छ शहर कौन होगा– जहाँ नल से पानी नहीं, मौत टपकेगी?

भागीरथपुरा क्षेत्र में रिंग सर्वे प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागीरथपुरा इंदौर में आज 02 जनवरी 2026 को स्वास्थ्य विभाग ने एक मजबूत रणनीति को अपनाते हुए रिंग सर्वे प्रारंभ किया है। रिंग सर्वे का आशय यह है कि भागीरथपुरा में जो भी हॉट स्पॉट मिले हैं, उनके घरों के आस-पास 50 घरों का सर्वे किया गया। रिंग सर्वे हेतु 20 टीमें क्षेत्र में कार्यरत हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार क्षेत्र में 06 एम्बुलेंस लगाई गई हैं। साथ ही क्षेत्र में 24×7 चिकित्सकों की ड्यूटी क्षेत्र में लगाई गई है। मरीजों को एम.व्हाय. चिकित्सालय, अरविंदों अस्पताल तथा बच्चों को चाचा नेहरु अस्पताल में रेफर किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश को वैश्विक स्टार्टअप डेस्टीनेशन बनाने की पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट एवं इकोसिस्टम अवार्ड्स 2026 का आयोजन 11 और 12 जनवरी 2026 को रवीन्द्र भवन भोपाल में होगा। यह आयोजन प्रदेश में स्टार्टअप एवं नवाचार इकोसिस्टम को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय पहल के रूप में होगा। इस समिट का आयोजन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (रूस्रूद्ब) विभाग द्वारा किया जा रहा है। इससे राज्य में उद्यमिता, नवाचार एवं समावेशी आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। समिट में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे। इस आयोजन की परिकल्पना मध्यप्रदेश को एक वैश्विक स्टार्टअप गंतव्य के रूप में स्थापित करने के महत्वपूर्ण कदम के रूप में की गई है।

समिट का उद्देश्य एवं महत्व- समिट का उद्देश्य स्टार्टअप्स, निवेशकों, इनक्यूबेटर्स, उद्योग जगत के लीडर, शैक्षणिक और वित्तीय संस्थानों तथा शासकीय विभागों के लिए एक साझा मंच प्रदान करना है जिससे नवाचार आधारित उद्यमशील विकास को गति दी जा सके। वर्तमान में मध्यप्रदेश में एक सशक्त एवं समावेशी स्टार्टअप इकोसिस्टम विद्यमान है, जिसमें लगभग 6,344 ष्ठक्कढ्ढञ्ज-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स शामिल हैं। इनमें लगभग 3,023 स्टार्टअप्स महिलाओं के नेतृत्व वाले हैं। यह इकोसिस्टम 100 से अधिक इनक्यूबेटर्स के मजबूत संस्थागत ढांचे द्वारा समर्थित है। आयोजन एमपी स्टार्टअप इकोसिस्टम के अंतर्गत प्रमुख उपलब्धियों को प्रस्तुत करेगा, संरचित नीतिगत विमर्श एवं स्टार्टअपङ्कनिवेशक संवाद को सक्षम बनाएगा तथा एमपी स्टार्टअप इकोसिस्टम अवार्ड्स 2026 के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करेगा। उद्घाटन सत्र के दौरान ÷स्टार्टअप सक्सेस स्टोरीज़ कंपेंडियम÷ का विमोचन भी किया जाएगा, जिसमें राज्य के उल्लेखनीय स्टार्टअप्स की सफल कहानियाँ सम्मिलित होंगी और यह भावी उद्यमियों के लिए प्रेरणास्रोत के रूप में कार्य करेगा।

पहले दिन की गतिविधियां- एमपी स्टार्टअप समिट 2026 के दो दिवसीय आयोजन के रूप में नियोजित किया गया है, ताकि सभी इकोसिस्टम हितधारकों की सार्थक एवं परिणामोन्मुखी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। पहला दिन 11 जनवरी 2026 को इकोसिस्टम सुदृढ़ीकरण एवं प्रारंभिक चरण के निवेश संवाद पर केंद्रित होगा। इसमें इनक्यूबेटर सस्टेनेबिलिटी पर मास्टरक्लास, एग्री एफपीओ को स्टार्टअप के रूप में विकसित करने पर विषयगत चर्चा, स्टार्टअप पिचिंग का क्वालिफायर राउंड तथा निवेशकों एवं इकोसिस्टम लीडर्स के साथ क्लोज्ड-डोर नेटवर्किंग डिनर होगा।

समापन 12 जनवरी को होगा- दूसरा दिन 12 जनवरी 2026 को रणनीतिक सहभागिता, मान्यता एवं सेक्टर-विशिष्ट ज्ञान साझा करने पर केंद्रित रहेगा। इसमें स्टार्टअप पिचिंग के फाइनल राउंड, मुख्यमंत्री, डॉ. यादव द्वारा उद्घाटन एवं प्रदर्शनी का शुभारंभ, स्टार्टअप सक्सेस स्टोरीज़ कंपेंडियम का विमोचन, एमपी स्टार्टअप इकोसिस्टम अवार्ड्स-2026 का वितरण तथा प्राथमिकता वाले विषयों पर सेक्टर-विशिष्ट सत्र शामिल होंगे। एमएसएमई मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप राज्य में स्टार्टअप विकास हेतु नीतिगत पहलों एवं भविष्य की रूपरेखा को प्रस्तुत करेंगे।

एमपी स्टार्टअप इकोसिस्टम अवार्ड्स 2026- एमपी स्टार्टअप इकोसिस्टम अवार्ड्स 2026, समिट की एक प्रमुख गतिविधि होगी। छह स्टार्टअप श्रेणियों–श्रेष्ठ महिला उद्यमी, श्रेष्ठ युवा उद्यमी, सर्वाधिक नवोन्मेषी स्टार्टअप, श्रेष्ठ प्रारंभिक चरण स्टार्टअप, श्रेष्ठ ग्रोथ-स्टेज स्टार्टअप और प्राथमिकता क्षेत्रों में श्रेष्ठ स्टार्टअप के अंतर्गत नामांकन प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त इनक्यूबेटर्स जैसे प्रमुख इकोसिस्टम योगदानकर्ताओं को भी सम्मानित किया जाएगा। उद्योग जगत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों, वेंचर कैपिटलिस्ट्स एवं वरिष्ठ इकोसिस्टम प्रतिनिधियों से युक्त एक जूरी का गठन किया गया है, जो पारदर्शी मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से आवेदनों का आकंलन कर पुरस्कार विजेताओं की संस्तुति करेगी।

जीवन की नई पारी की ओर ससम्मान विदाई: इंदौर पुलिस ने 8 सेवानिवृत्त अधिकारियों को दी भावभीनी शुभकामनाएं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनुशासन, सेवा और समर्पण के साथ वर्षों तक कर्तव्य निभाने वाले इंदौर पुलिस के आठ अधिकारियों को आज सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। पलासिया स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में 2 जनवरी 2026 को आयोजित इस गरिमामय समारोह में सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ उनके परिजन, सहकर्मी और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। माहौल भावनाओं से भरा हुआ था, जहां सम्मान, कृतज्ञता और भविष्य की शुभकामनाएं एक साथ नजर आईं।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) श्री प्रकाश परिहार और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्रीमती मीना चौहान की विशेष उपस्थिति रही। अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों में निरीक्षक श्री विजयकांत शुक्ला, उपनिरीक्षक श्री देवबहादुर सिंह, सहायक उपनिरीक्षक श्री कृष्णकांत भार्गव और श्री संतोष सिंह भदौरिया, प्रधान आरक्षक श्री निर्मल यादव, श्री अखिलेश त्रिपाठी, श्री बद्रीलाल चौहान और श्री अम्बिका यादव शामिल रहे।

समारोह के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों का श्रीफल, मोमेंटो और पुष्पमाला से स्वागत कर उनके पुलिस विभाग में दिए गए अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया। मंच से वक्ताओं ने कहा कि इन अधिकारियों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी कर्तव्य से कभी समझौता नहीं किया और जनता की सेवा को सर्वोपरि रखा।

इस अवसर पर डीसीपी मुख्यालय श्री प्रकाश परिहार ने भावुक शब्दों में कहा कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि जीवन का अनुशासित और कठिन मार्ग होता है। आप सभी ने अपने जीवन का बहुमूल्य समय जनता और विभाग को दिया है, अब समय है स्वयं और अपने परिवार को प्राथमिकता देने का। उन्होंने सेवानिवृत्त अधिकारियों से अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने और जीवन की नई पारी को हंसी-खुशी, सकारात्मकता और रचनात्मकता के साथ जीने का आह्वान किया। साथ ही परिजनों से कहा कि अब उनकी बारी है कि वे अपने प्रियजनों का पूरा ध्यान रखें।

वरिष्ठ अधिकारियों ने यह भी आश्वस्त किया कि सेवानिवृत्ति के बाद भी पुलिस परिवार से उनका रिश्ता समाप्त नहीं होता। वे जब चाहें विभाग में आकर अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और अपने ज्ञान के आधार पर युवा पुलिसकर्मियों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। सभी ने एक स्वर में कहा कि यह रिटायरमेंट नहीं, बल्कि जीवन की एक नई शुरुआत है।

समारोह के दौरान सेवानिवृत्त अधिकारियों ने भी अपनी सेवा अवधि के खट्टे-मीठे अनुभव और यादगार पल साझा किए, जिससे माहौल और भी भावुक हो गया। अंत में सभी ने अपने साथियों से आत्मीय मुलाकात कर नम आंखों से विदाई ली। यह कार्यक्रम न केवल एक औपचारिक विदाई था, बल्कि वर्षों की सेवा, विश्वास और पारिवारिक जुड़ाव का सम्मानजनक उत्सव भी बन गया।

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम को ग्रीनको प्रमाणन में मिला सिल्वर रेटिंग

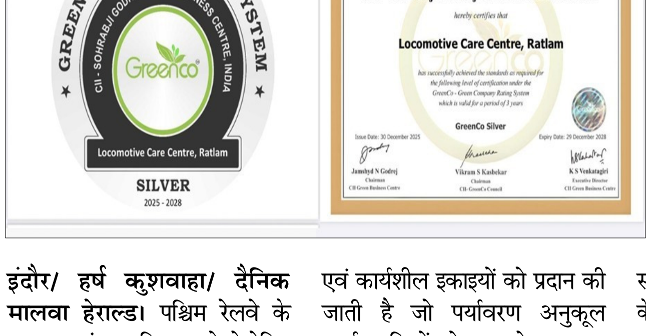

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल स्थित लोकोमोटिव केयर सेंटर (एलसीसी) रतलाम ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री द्वारा प्रदान किए जाने वाले ग्रीनको रेटिंग प्रमाणन में सिल्वर रेटिंग प्राप्त की है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ग्रीनको रेटिंग उन औद्योगिक एवं कार्यशील इकाइयों को प्रदान की जाती है जो पर्यावरण अनुकूल कार्यप्रणालियों को अपनाते हुए सतत विकास के उच्च मानकों का पालन करती हैं। इस रेटिंग के अंतर्गत हरित संरचना का विकास, अधिकाधिक सौर ऊर्जा का उपयोग, ऊर्जा संरक्षण हेतु कम ऊर्जा खपत वाले दक्ष उपकरणों का प्रयोग, प्रदूषण नियंत्रण के सभी मानकों का कड़ाई से अनुपालन, पर्यावरण अनुकूल सामग्री एवं कलपुर्जों का उपयोग, प्राकृतिक संसाधनों का मितव्ययी उपयोग, बेहतर जल प्रबंधन, अपशिष्ट में कमी, अपशिष्ट का पुनः उपयोग तथा पर्यावरण अनुकूल तरीके से निपटान जैसे बिंदुओं का व्यापक मूल्यांकन किया जाता है।

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम ने इन सभी मानकों पर प्रभावी रूप से अमल करते हुए अपनी इकाई में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली को व्यापक रूप से अपनाया है। विभिन्न सोख्ता गड्ढों के माध्यम से वर्षा जल का संरक्षण कर इसे वॉटर न्यूट्रल यूनिट के रूप में विकसित किया गया है। इसके अतिरिक्त, एफ्लुएंट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से उपयोग किए गए जल का शुद्धिकरण कर पुनः उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे जल संरक्षण को और मजबूती मिली है।

इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप, लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम पश्चिम रेलवे का एकमात्र ऐसा रनिंग शेड बन गया है, जिसे ग्रीनको रेटिंग प्रमाणन मे सिल्वर रेटिंग मिला है।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल व्यवस्था को लेकर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट की अध्यक्षता में रेसीडेंसी कोठी में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, जिले के समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के अधिकारी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत उपस्थित रहे। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित सार्वजनिक एवं निजी नल-जल योजनाओं, हैंडपंपों एवं अन्य पेयजल स्त्रोतों की साफ-सफाई और स्वच्छता की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सभी हैंडपंपों एवं पेयजल स्त्रोतों के 100 मीटर के दायरे में विशेष साफ-सफाई एवं स्वच्छता अभियान चलाया जाए। उन्होंने इस कार्य को मिशन मोड में लेते हुए आगामी 7 दिवस के भीतर पूर्ण करने के निर्देश समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए।

मंत्री श्री सिलावट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्रामीण को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे तत्काल ग्रामों का भ्रमण कर ऐसे पेयजल स्त्रोतों को चिन्हित करें, जहां साफ-सफाई की आवश्यकता है और सफाई कार्य तुरंत प्रारंभ कराना सुनिश्चित करें। ग्रामीण क्षेत्रों में जलजनित बीमारियों की रोकथाम एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इंदौर जिले में 19 आंगनवाडी कार्यकर्ता और 66 सहायिकाओं की होगी भर्ती

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से इंदौर जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। आवेदन एमपी ऑनलाइन के चयन पोर्टल के माध्यम से अंतिम तिथि 10 जनवरी 2026 तक किए जा सकते है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रजनीश सिन्हा ने बताया कि जिले में 19 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और 66 सहायिकाओं के खाली पदों की पूर्ति हेतु ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से की जा रही है, जिसमें पात्रता अनुसार महिलाओं को मौका दिया जाएगा। दोनों ही पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। आवेदिकाओं के लिए ग्राम और शहरी क्षेत्र में स्थानीय ग्राम एवं वार्ड निवासी को प्राथमिकता दी जाएगी। सक्षम अधिकारी द्वारा जारी निवासी संबंधी प्रमाण पत्र, आवेदिका अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की है तो जाति प्रमाण पत्र, वर्तमान में बीपीएल में जीवन यापन कर रही है तो बीपीएल का प्रमाण पत्र, विधवा/परित्यक्ता के लिए सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र लेकर ही आवेदन एमपी ऑनलाइन चयन पोर्टल पर ऑनलाइन कर सकते है।

20 करोड़ से ज्यादा ठग फरार हुए सरगना एवं साथी को फरीदाबाद से दबोचा

एथिकल हेकर का कोर्स कर चुका हैं मास्टर माइंड, एक वर्ष से दे रहे थे चकमा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निवेशकों के करोड़ों रुपए ठग फरार हुए सरगना एवं उसके साथी को हरियाणा के फरीदाबाद से दबोचा गया है। आरोपी एक वर्ष से पुलिस को चकमा दे रहे थे। मास्टर माइंड आरोपी एथिकल हेकर का कोर्स भी कर चुका हैं। गिरोह द्वारा सुनियायेजित तरीके से 20 करोड़ रुपए से अधिक की राशि की ठगी की थी। इन पर पुलिस कप्तान ने

5- 5 हजार रुपए के ईनाम की उद्घोषणा की थी। प्रेसवार्ता में शुक्रवार को पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना ने बताया कि प्रकरण का मुख्य आरोपी अजय राठौर पिता महेश राठौर मुख्य सरगना होकर क्रोलिक नामक एक कंपनी की शुरुआत कर स्थानीय लोगों से चैन सिस्टम के आधार पर जुड़कर निवेश करने हेतु प्रलोभित कर कई, भोले-भाले लोगों को निवेश करवा कर करोड़ों रुपए एकत्र करवा लिये। इसी निवेश की आड़ में आरोपी अजय ने अपने गिरोह के अन्य सदस्य आदित्य पालीवाल के साथ मिलकर उक्त निवेश राशि से ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट अनाधिकृत रूप से करता रहा। इन्वेस्टर्स को 15त्न रिटर्न का लालच व प्रलोभन देकर उनसे करोड़ों रुपए निवेश के नाम पर एकत्रित कर लिए गए। प्रारंभ में आरोपियों द्वारा निवेशकों को रिटर्न स्वरूप कुछ राशि समय समय से प्रदाय की जाने से निवेशकों में निवेश करने की उत्सुकता को बढ़ावा दिया गया। इसी प्रकार जब करोड़ों रुपए का निवेश एकत्र हो गया तब गिरोह के सदस्यों द्वारा कंपनी को बंद कर फरार हो गए। आरोपी अजय राठौर व आदित्य पालीवाल द्वारा स्थानीय लोगों से क्रोलिक कम्पनी बनाकर उसमें निवेश के नाम पर 20 करोड रुपए से अधिक राशि की ठगी कर लगभग 1 वर्ष से फरार थे। उपरोक्त आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस कप्तान द्वारा विशेष दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम शिवांशु मालवीय निरीक्षक थाना प्रभारी यशोधर्मन नगर, उप निरीक्षक रितेश नागर प्रभारी सायबर सेल व उपनिरीक्षक विनय बुंदेला थाना यशोधर्मन नगर के नेतृत्व में आरोपियों की पतारसी हेतु तकनीकी डाटा संकलन करना प्रारंभ किया गया। आरोपी के संबंध में डेटा विश्लेषण के आधार पर आरोपियों का सुराग हरियाणा राज्य के फरीदाबाद शहर में होना पाया गया। तत्काल पुलिस टीम फरीदाबाद पहुंची। गहन विश्लेषण के आधार पर आरोपी अजय राठौर एवं आदित्य पालीवाल को गिरफ्तार करने में महती सफलता प्राप्त की गई। आरोपी अजय राठौर को पूर्व से एथिकल हेकिंग का सम्पूर्ण ज्ञान होने से पुलिस से बचाव के हर तकनीक को अच्छे से उपयोग कर रहा था। आरोपियों द्वारा सीम रहित मोबाईल उपयोग करना, प्रोक्सी नेटवर्क उपयोग करना, वर्चुअल लोकेशन स्थापित करना आदि कार्यों में पूर्णरूपेण दक्ष होने से पुलिस टीम के सामने एक बड़ी चुनौती थी। गठित विशेष पुलिस टीम द्वारा अपने गहन तकनीकी विश्लेषण, कार्य कौशल व व्यावसायिक दक्षता तथा कार्य कुशलता के आधार पर दोनों आरोपियों को कड़ी दर कड़ी तकनीकी साक्ष्य संकलित कर तकनीकी, मैदानी, कार्य विवेचन करने के उपरान्त दोनो आरोपियों को लगभग 1 वर्ष की फरारी के बाद पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की गई। आरोपियो से, गबन किये गये रूपयो के संबंध में पूछताछ, संपत्ति एवं लिक्विड मनी की जाँच की जा रही है। इनसे 01 लैपटाप, 01 एप्पल आई पैड, 03 मोबाईल, 01 महिन्द्र थार कुल कीमती 20 लाख रूपये बरामद किया है। इस सराहनीय कार्य में निरीक्षक शिवांशु मालवीय थाना प्रभारी यशोधर्मन नगर, उप निरीक्षक रितेश नागर प्रभारी सायबर सेल, उप निरीक्षक विनय बुंदेला थाना यशोधर्मन नगर, प्रधान आरक्षक आशीष बैरागी सायबर सेल, प्रधान आरक्षक दशरथ मालवीय, प्रधान आरक्षक मुजफ्फर उद्दीन व आरक्षक मनीष बघेल सायबर सेल का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

बही पार्श्वनाथ तीर्थ में संस्कार शिविर का समापन, पुण्य व पुरुषार्थ से ही जीवन में श्रेष्ठ उपलब्धियां संभव-महाराज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बही पार्श्‍वनाथ तीर्थ में आयोजित पांच दिवसीय संस्कार शिविर का समापन धार्मिक एवं संस्कारमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समापन अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए राजरत्न सूरीश्वर महाराज ने कहा कि कोई भी शुभ कार्य केवल इच्छा से नहीं, बल्कि पुण्य और पुरुषार्थ के समन्वय से ही सफल होता है। जब व्यक्ति लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा लगाकर पुरुषार्थ करता है, तभी उसे उत्कृष्ट और स्थायी परिणाम प्राप्त होते हैं। महाराजश्री ने कहा कि बचपन में दिए गए संस्कार जीवन की मजबूत नींव होते हैं, जो व्यक्ति को जीवनभर सही दिशा प्रदान करते हैं। जहां विनय होता है, वहीं धर्म की जड़ें मजबूत होती हैं। तीर्थ अध्यक्ष अशोक कुमठ ने बताया कि पांच दिवसीय संस्कार शिविर का आयोजन तीर्थ पेढ़ी धर्मशाला में किया गया, जिसमें मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़ एवं प्रतापगढ़ जिलों से आए कुल 130 बच्चों ने सहभागिता की।

शिविर के समापन अवसर पर बहुमान समारोह का आयोजन किया गया, जो प्रातः 10 बजे प्रारंभ हुआ। शिविर के सम्पूर्ण लाभार्थी मोहनबाई खुमानसिंह भंडारी परिवार रहे। लाभार्थी परिवार द्वारा शिविर में भाग लेने वाले सभी बच्चों का चांदी के सिक्के, माला एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। साथ ही शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न ज्ञानार्जन, संस्कार एवं अनुशासनात्मक गतिविधियों में प्रथम आने वाले विरल खिमेसरा मंदसौर, द्वितीय ग्रंथ पोरवाल एवं तृतीय सक्षम जैन को चांदी के सिक्के भेंट कर बहुमान किया। कुमठ परिवार द्वारा सभी बच्चों को स्मृति स्वरूप मोमेंटो प्रदान किए गए। वहीं तीर्थ पेढ़ी की ओर से शिविर के सफल आयोजन हेतु भंडारी परिवार के सदस्यों का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अर्पित सुराणा एवं अर्पित डोसी ने किया, जबकि शैलेन्द्र भंडारी ने सभी का आभार माना।

शिवसेना ने घुसपैठियों के विरुद्ध कार्रवाई हेतु दिया ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाराष्ट्र उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मध्यप्रदेश युवा शिवसेना के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग सोनार के आदेश अनुसार मंदसौर में शिवसेना युवा जिलाध्यक्ष श्यामसिंह पंवार के नेतृत्व में शुक्रवार को शिवसेना मंदसौर, सुवासरा द्वारा कलेक्टर कार्यालय में बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध कार्रवाई हेतु एक ज्ञापन दिया गया। शिवसेना युवा जिलाध्यक्ष श्यामसिंह पंवार ने बताया कि भारत में रह रहे अवैध रूप से पाकिस्तान और बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ केंद्र सरकार से अपील की है। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी उज्जवल जायसवाल, मदन सिंह चौहान, राजेश भाटी आदी।

धान उपार्जन में किसानों के हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के किसानों को धान उपार्जन के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा उन्हें उनकी उपज का पूरा मूल्य, सही तौल और समय पर भुगतान सुनिश्चित हो सके इसके लिए प्रशासन द्वारा धान उपार्जन केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए उपार्जन कार्य को पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती प्रियल सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा औसत अच्छी गुणवत्ता धान का समर्थन मूल्य 2369 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। जिले में धान की खरीदी 01 दिसम्बर 2025 से 20 जनवरी 2026 तक की जा रही है ताकि सभी पंजीकृत किसान आसानी से अपनी उपज विक्रय कर सकें। कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर राजस्व विभाग खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग सहकारिता विभाग तथा संबंधित संस्थाओं के अधिकारी संयुक्त रूप से उपार्जन केंद्रों का नियमित एवं औचक निरीक्षण कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसानों की धान गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ली जाए और किसी भी स्तर पर उन्हें परेशान न किया जाए। इसी क्रम में दिनांक 02 जनवरी 2026 को डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रियल सिंह एवं आर एम शुक्ला जेएसओ द्वारा चुरहट, सीधी खुर्द एवं मां शारदा स्व सहायता समूह चुरहट (सर्रा) स्थित धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया गया। वहीं एम एल बढेरा प्रभारी जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा सीधी खुर्द तथा राजेश कुमार सिंह द्वारा चुरहट उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया गया।

सीतामऊ में होगा साहित्य महोत्सव, तैयारियों हेतु विभिन्न समितियों का हुआ गठन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला टूरिज्म प्रमोशन काउंसिल के तत्वाधान में ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक नगरी सीतामऊ में सीतामऊ साहित्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के सफल आयोजन एवं समुचित व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। महोत्सव के मुख्य आयोजन में साहित्य, कला एवं दर्शन के क्षेत्र से जुड़ी देश की ख्यातनाम विभूतियां सहभागिता करेंगी। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख हस्तियां भी कार्यक्रम में सम्मिलित होंगी।1 अलग-अलग दिनों में साहित्य, कविता, कथा-वाचन, विचार गोष्ठी, कला, लोक संस्कृति एवं अन्य विधाओं से जुड़े रुचिकर एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे क्षेत्रवासियों सहित आगंतुकों को साहित्य और संस्कृति से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा।

सीतामऊ साहित्य सम्मेलन के माध्यम से क्षेत्रवासियों को एक बार पुनः सीतामऊ की ऐतिहासिक, भौगोलिक एवं सांस्कृतिक समृद्धता से परिचित कराया जाएगा। आयोजन को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। सीतामऊ क्षेत्र ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। यहां उपलब्ध हस्तलिखित ग्रंथ, ताम्रपत्र एवं अन्य बहुमूल्य ऐतिहासिक धरोहरें देशभर के शोधार्थियों और विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र रही हैं। इन ऐतिहासिक, भौगोलिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं पर साहित्य महोत्सव के दौरान विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा। महोत्सव के अवसर पर सीतामऊ नगर को आकर्षक रूप से सजाने-संवारने की तैयारियां भी प्रारंभ कर दी गई हैं। यह आयोजन न केवल साहित्य एवं संस्कृति के संवर्धन में सहायक होगा, बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी सीतामऊ और मंदसौर जिले को नई पहचान प्रदान करेगा।

दलौदा थाना पुलिस ने वाहन चोर कंजर को पकड़ा, चार पहिया वाहन सहित 7 बाइक बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दलौदा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक शुभम व्यास एवं उनकी टीम ने एसडीओपी मंदसौर ग्रामीण कीर्ति बघेल के मार्गदर्शन में उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर दलौदा थाना क्षेत्र से चोरी हुई एक चार पहिया वाहन सहित 07 मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपी नटराज पिता नारायण कंजर उम्र 19 साल निवासी अरनिया कंजर डेरा थाना उन्हेल जिला झालावाड राजस्थान को गिरफ्तार कर पतारसी शुरू की गई है।

घटना अनुसार थाना दलौदा क्षेत्र से विगत कुछ दिनों में चार पहिया व दो पहिया वाहनो की चोरी हो जाने की घटना के संबंध में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। बाद थाना प्रभारी दलौदा शुभम व्यास द्वारा गठित टीम को रवाना कर घटना स्थल से सीसीटीवी फुटेज तथा अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों को एकत्र कर तथा आरोपी की संभावित स्थानो पर तलाश करते विश्वश्नीय मुखबीरो से सुचना संकलन कर अपने व्यवसायिक कौशल का उपयोग किया। इसके तहत नटराज पिता नारायण कंजर को गिरफ्तार कर एक चार पहिया वाहन सहित 07 मोटर साइकिल को जप्त करने में सफलता प्राप्त की। इस कार्रवाई में उनि शुभम व्यास थाना प्रभारी दलौदा, सउनि कैलाश बघेल, सउनि प्रमोदसिंह, प्रआर यादवेन्द्र, राजपालसिंह, दीपेन्द्रसिंह, नेपालसिंह, आरक्षक विजेन्द्र, परिमाल सिंह, सुनील यादव तथा प्रआर मुजफ्फरउद्दीन सायबर सेल मंदसौर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हम सब समाज की बेहतरी एवं क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करें-श्री गुप्ता

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सभी जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण समाज की बेहतरी एवं क्षेत्र के विकास के लिए मिलजुलकर कार्य करें। यह बात सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने शुक्रवार को नीमच के कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में दोपहर पूर्व एवं दोपहर पश्चात दो सत्रों में आयोजित दिशा कमेटी की बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, कार्यो की विभगवार समीक्षा करते हुए कही।

बैठक में विधायक जावद श्री ओमप्रकाश सखलेचा, नीमच विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, मनासा विधायक श्री अनिरूद्ध मारू, न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, एस.पी.श्री अंकित जायसवाल, डीएफओ श्री एस.के.अटोदे, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव एवं अन्य जिला अधिकारी एवं समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

शुक्रवार को सुबह सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुई यह बैठक शाम को 7 बजे तक चली। बैठक के दूसरे सत्र में निर्माण विभागों द्वारा संचालित निर्माणाधीन कार्यो की समीक्षा दौरान सांसद श्री गुप्ता ने निर्देश दिए, कि निर्माण कार्यो में निर्धारित गुणवत्ता, मानकों एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप निर्माण कार्य सुनिश्चित हो। उन्होने एमपीआरडीसी के प्रबंधक को निर्देश दिए, कि नीमच, सिंगोली सडक निर्माण में हटाए जा रहे पेडों का मूल्यांकन करवाकर, रिर्पोट प्रस्तुत करे। सड़क निर्माण दौरान हटाए जा रहे रॉ मटेरियल के उपयोग के बारे में रिर्पोट प्रस्तुत करें। साथ ही खनिज रायल्टी का भुगतान भी सुनिश्चित करवाए। यदि किसी ने बगैर अनुमति के पेड काटकर हटाए है, तो संबंधित को नोटिस जारी कर कार्यवाही करें। बैठक में नीमच सिटी फोर लेन निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा दौरान निर्माणाधीन सड़क पर विभिन्न स्थानों पर रिफलेक्टर लगवाने के निर्देश दिए गए। बैठक में सांसद ने नीमच, मनासा, रामपुरा, सोनडी, गरोठ, झालावाड़ की प्रस्तावित सड़क की डीपीआर अविलंब तैयार कर शासन को भिजवाने के निर्देश दिए। विधायक श्री दिलीप सिह परिहार ने शहर में स्टेडियम निर्माण एवं सौंदर्यीकरण के 3.50 करोड़ के चार कार्यो को शीघ्र पूर्ण करवाने का सुझाव दिया। सांसद श्री गुप्ता ने नीमच में फूटबॉल खेल मैदान, भाटखेडी में कब्बड़ी, जावद में खो-खो खेल के लिए स्टेडियम, मैदान निर्माण का प्रस्ताव बनाकर खेलो इंडिया के तहत शासन को भिजवाने के निर्देश दिए।

बैठक में हमारी आंगनवाडी अभियान पोषण भी पढ़ाई भी, गर्भ पका भोजन वितरण, टेक होम राशन वितरण एवं प्रशासन द्वारा आंगनवाडी केंद्रों की रेकिंग के लिए किए गए नवाचारों की सभी ने सराहना की।

विधायक श्री सखलेचा ने नयागांव में विक्रम सीमेंट फेक्ट्री की रेल्वे लाईन पर ओव्हर ब्रिज निर्माण करवाने का सुझाव दिया। ताकि हाईवे पर वाहन चालकों को फाटक बंद होने पर समस्या का सामना ना करना पडे। उन्होने नयागांव में हाईवे के आसपास छूटे हुए सर्विस रोड को बनाने का सुझाव भी एमपीआरडीसी को दिया।

बैठक में जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खण्डेलवाल, नीमच न.पा.के पूर्व अध्यक्ष श्री राकेश जैन, पूर्व उपाध्यक्ष श्री महेन्द्र भटनागर, सांसद प्रतिनिधि श्री आदित्य मालू, श्री नीलेश पाटीदार, श्री रतनलाल मालावत, श्री हेमंत हरित, जिला अधिकारी एवं समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

पुलिस चौकी बूढ़ा ने दो आरोपी के कब्जे से 60 लीटर कच्ची शराब जब्त की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारायणगढ़ थाने की बूढ़ा चौकी प्रभारी विकास गेहलोत एवं टीम ने दो आरोपी के कब्जे से 60 लीटर कच्ची शराब जब्त की है। यह कार्रवाई इंचार्ज नारायणगढ़ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक भारत भाबर के नेतृत्व में एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस टीम व्दारा 02 जनवरी को मुखबीर सूचना पर कार्यवाही करते हुए दो व्यक्तियो को गिरफ्तार किया जाकर उनके कब्जे से चार अलगङ्कअलग प्लास्टीक की केन मे हाथ भट्टी की कुल 60 लीटर अवैध शराब जप्त की गई। महुआ लाहन नष्ट किया गया। गिरफ्तार आरोपी मोहनलाल पिता मांगीलाल भर्रावत जाति बंजारा उम्र 45 साल निवासी मंशाखेडी थाना नारायणगढ, बगदीराम पिता खेमाजी रावत जाति मीणा उम्र 55 साल निवासी मंशाखेडी है। इस कार्यवाही में उनि भारत भाबर थाना प्रभारी नारायणगढ , उनि विकास गेहलोत, प्रआर कुलदीप सिंह, दीपक बैरागी, आरक्षक धर्मेन्द्र सिंह, महेश मेघवाल, हेमन्त पाटीदार का सराहनीय योगदान रहा ।

सुवासरा में मंत्री विजयवर्गीय का युवा कांग्रेस ने जलाया पुतला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा युवा कांग्रेस विधानसभा व ब्लॉक युवा कांग्रेस के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अशोभनीय भाषा का उपयोग करने का आरोप लगाकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन सुवासरा में सभा चौक पर किया। मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। मंत्री की जवाबदेही तय करने की मांग भी की गई। तत्पश्चात इन्दौर शहर की इस दुःखद घटना में जिन परिजनों की अकाल मृत्यु हुई है, उनको कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उक्त कार्यक्रम में सुवासरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी राकेश पाटीदार, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल जैन, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कृपालसिंह सोलंकी, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि रामसिंह मेहर, पूर्व सरपंच श्यामसिंह चौहान, पारस जैन, शहर कांग्रेस अध्यक्ष भगवतीलाल मोदी, तुलसीराम मेहर, शंभुलाल केलवा, श्याम वर्मा, दिनेश मेहर, प्रभुगिरी गोस्वामी, पार्षद प्रतिनिधि खदिर भाई मुंशी, मुकेश रायकवार, प्रभुलाल सूर्यवंशी, युवा विधानसभा अध्यक्ष हर्ष पाटीदार, युवा जिला उपाध्यक्ष कुलदीपसिंह, युवा ब्लॉक अध्यक्ष आदित्यसिंह, मनीष मेहर, शुभम चौधरी, नरेन्द्र मेहता, बंशीलाल सोलंकी, राहुल मेहर, राहुलविश्वकर्मा, राजू पडिहार, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद थे।

प्रशासन गांव की ओर अभियान - जिले में 4 हजार से अधिक हितग्राही लाभांवित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में सुशासन की दिशा में अभिनव पहल प्रशासन गांव की और अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में 22 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 तक ग्राम पंचायत कलस्टर मुख्यालयों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाकर, हितग्राहियों को लाभांवित किया जा रहा है। शुक्रवार को आयोजित शिविरों में महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा,राजस्व एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा चार हजार से अधिक हितग्राहियों को सेवाएं प्रदान कर लाभांवित किया गया है।

विशेष राजस्व शिविरों में 2750 आवेदन प्राप्त - 555 निराकृत- प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत शुक्रवार को जिले में आयोजित विशेष राजस्व शिविरों में कुल 2750 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 555 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष 2195 आवेदन लंबित रखे जाकर, संबंधित तहसीलदार द्वारा उनका समय सीमा में निराकरण करने की कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत नामांतरण के 618, बंटवारा के 258, सीमांकन के 51, कब्जा विवाद के 22, रास्ता विवाद के 74, खसरे नक्शे में बटांकन के 235, राजस्व पुलिस के मध्यस्थता संबंधी 19 आवेदन प्राप्त हुए है। राजस्व रिकार्ड मे आदेश अमल के 213, बी1 वाचन उपरांत रिकार्ड सुधार के 498 आवेदन, ग्राम आबादी के प्रस्ताव 37, फार्मर रजिस्ट्री के 221, आरओआर केवायसी के 393, नक्शे में त्रुटिसुधार के 130 आवेदन प्राप्त हुए है। इनमें से कुल 555 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया है।

328 ईकेवायसी अपडेट, 481 आवास हितग्राहियों का सत्यापन- प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत शुक्रवार को जिले में आयोजित शिविरों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 61 स्थानों पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। मनरेगा के 328 हितग्राहियों की ई-केवायसी अपडेट, प्रधानमंत्री आवास के 481 हितग्राहियों का चेकर सत्यापन, 221 आवास हितग्राहियों की समग्र सिंडिंग, 114 हितग्राहियों की समग्र आईडी समस्या का समाधान, पेंशन योजना के हितग्राहियों के 43 नये आवेदन प्राप्त कर, उनका सत्यापन, शौचालय निर्माण के नवीन 39 हितग्राहियों का चिंहाकन, संबल कर्मकार के 27 नये हितग्राहियों का पंजीयन किया गया है।

कलेक्टर ने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट मोरवनी का निरीक्षण किया शहर में चल रहे है पेयजल पाइपलाइन सुधार कार्यों का अवलोकन कर दिये आवश्यक निर्देश

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने आज नगर निगम आयुक्त श्री अनिल भाना, शहर एसडीएम सुश्री आर्ची हरित, नायब तहसीलदार मनोज चौहान, सहित संबंधित अधिकारियों के साथ मोरवानी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया । मोरवनी मे कलेक्टर ने शहरवासियों को प्रदान किए जा रहे पेयजल व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि प्लांट वर्ष 1980 में बनाया गया था तथा शहरवासियों को अल्टरनेट दिवस के आधार पर पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि प्लांट में जहां भी मरम्मत कार्य आवश्यक है उसका टेंडर कराया जाए, पेयजल का सेम्पल लिये जाने का कार्य निरंतर नियमित रूप से किया जाए तथा वार्ड में भी पेयजल के सेम्पल लिए जाए।

जिले में दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान, नीमच जिले में दुग्ध उत्पादन से बढ़ रही पशुपालकों की आय

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र.शासन की मंशा है कि आगामी 5 वर्षों में प्रदेश की दुग्ध उत्पादन में भागीदारी 20 प्रतिशत करने के लिए दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान तीन चरणों में क्रियान्वित किया जा रहा है।

पहले चरण में 58 हजार केसीसी धारक पशुपालकों से घर-घर सम्पर्क कर दस हजार चार सौ पशुपालन केसीसी फार्म भरे गए, इनमें से 5695 पशुपालको को अधोसंरचना विकास हेतु कार्यशील पूँजी के रूप में 20 करोड़ से अधिक का ब्याज मुक्त ऋण वितरण किया जा चुका है। इस राशि से पशुपालकों ने नवीन पशु क्रय करने, पशुओं का पौषण प्रबन्धन ठीक करने, पशुशाला का निर्माण करने, आदि पर खर्च कर दुग्ध उत्पादन बढ़ाया है।

दूसरे चरण में पशुओं के नस्ल सुधार का कार्य किया जा रहा है ताकि उच्च गुणवत्ता वाली बछिया पैदा हो। इस हेतु अभी तक जिले से 41 हजार से अधिक पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान किया जा चुका है, इसमें से 6000 पशुओं को सेक्स सार्टेड सीमन लगाया गया, ताकि उच्च उत्पादन क्षमता वाली बछिया पैदा हो।

सम्पादकीय

नारी जागरण नहीं, नारी आगमन का समय है

जब इतिहास अपने पन्ने पलटता है, तो कुछ वर्ष केवल तारीख नहीं रहते, वे चेतना बन जाते हैं। वर्ष 2026 ऐसा ही एक कालखंड है, जहां भारतीय नारी की पहचान अबला की परिधि तोड़कर सबला, सक्षम और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो रही है। अब प्रश्न यह नहीं कि स्त्री क्या कर सकती है, प्रश्न यह है कि बिना स्त्री के क्या संभव है? यह परिवर्तन अचानक नहीं, बल्कि सदियों की चुप्पी, संघर्ष और आत्मचेतना से उपजा हुआ है। आज महिला दया या सहानुभूति की नहीं, अधिकार, अवसर और नेतृत्व की भाषा बोल रही है। वह केवल बदलाव का हिस्सा नहीं, बल्कि बदलाव की धुरी बन चुकी है। यही युगांतकारी बदलाव 2026 को नारी चेतना का स्वर्णिम अध्याय बनाता है।

भारतीय समाज में लंबे समय तक स्त्री को त्याग, सहनशीलता और मौन की प्रतिमूर्ति माना गया। परंतु समय के साथ उसने प्रश्न पूछना सीखा, निर्णय लेना सीखा और अपनी पहचान स्वयं गढ़ी। शिक्षा के विस्तार, सामाजिक आंदोलनों और नीतिगत प्रयासों ने उसे नई दृष्टि दी। अब वह परिवार की सीमाओं तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की दिशा तय करने वाली शक्ति है। 2026 तक आते-आते महिला आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, वैचारिक भी बन चुकी है। वह परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन साधते हुए अपने लिए नए रास्ते बना रही है। यही संतुलन उसे विशिष्ट, प्रभावशाली और प्रेरणादायी बनाता है।

पिछले वर्षों में महिलाओं की श्रम भागीदारी और निर्णयात्मक भूमिकाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह परिवर्तन आंकड़ों से अधिक मानसिकता का द्योतक है। आज महिलाएं नौकरी खोजने वाली नहीं, रोजगार देने वाली बन रही हैं। वे नेतृत्व, प्रबंधन और नवाचार के क्षेत्र में नई मिसालें गढ़ रही हैं। आत्मनिर्भरता ने उन्हें आत्मविश्वास दिया है, और आत्मविश्वास ने समाज में उनकी स्वीकार्यता बढ़ाई है। 2026 की महिला आर्थिक इकाई नहीं, बल्कि आर्थिक दिशा निर्धारित करने वाली शक्ति है। वह घर की अर्थव्यवस्था से लेकर राष्ट्र की विकास नीति तक अपनी स्पष्ट छाप छोड़ रही है।

खेल जगत में भारतीय महिलाओं ने जिस प्रकार सीमाओं को ध्वस्त किया है, वह नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विजयों ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा लिंग नहीं देखती। साहस, अनुशासन और समर्पण के बल पर महिला खिलाड़ी असंभव को संभव कर रही हैं। उनकी सफलता केवल पदकों तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक सोच में परिवर्तन का माध्यम है। खेल ने उन्हें आत्मविश्वास, नेतृत्व और मानसिक दृढ़ता दी है। आज खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का विद्यालय बन चुका है, जहां से आत्मबल से भरी पीढ़ियां निकल रही हैं।

उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भारत की आर्थिक संरचना को नया आकार दे रही है। छोटे गांवों से लेकर महानगरों तक महिलाएं स्टार्टअप, स्वसहाय समूह और नवाचार आधारित व्यवसाय खड़े कर रही हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, वित्तीय समावेशन और प्रशिक्षण ने उन्हें नई उड़ान दी है। वे केवल लाभ नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व को भी प्राथमिकता दे रही हैं। महिला उद्यमी रोजगार सृजन के साथ संवेदनशील नेतृत्व प्रस्तुत कर रही हैं। यह बदलाव दर्शाता है कि जब स्त्री आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो पूरा परिवार और समाज स्थिरता तथा प्रगति की दिशा में आगे बढ़ता है।

राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक मानवीय और संतुलित बना रही है। पंचायत से संसद तक उनकी उपस्थिति ने यह प्रमाणित किया है कि नेतृत्व केवल शक्ति का नहीं, समझ का विषय है। नीति निर्माण में महिलाओं की सहभागिता से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे विषयों को प्राथमिकता मिली है। आरक्षण और प्रतिनिधित्व ने नई पीढ़ी को राजनीति से जुड़ने का साहस दिया है। 2026 का भारत उस दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां सत्ता का स्वर अधिक संवेदनशील, समावेशी और उत्तरदायी होता जा रहा है। यह परिवर्तन लोकतंत्र की आत्मा को सुदृढ़ करता है।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति समाज के भविष्य को दिशा दे रही है। विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान में बढ़ती भागीदारी यह दर्शाती है कि बौद्धिक क्षमताएं किसी लिंग की मोहताज नहीं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, स्वच्छता अभियान और मानसिक स्वास्थ्य पर खुला संवाद महिलाओं को अधिक सशक्त बना रहा है। शिक्षित और स्वस्थ महिला ही सशक्त पीढ़ी की निर्माता होती है। वह बच्चों में मूल्य, समाज में संवेदना और राष्ट्र में विवेक भरती है। यही कारण है कि महिला सशक्तिकरण को विकास की रीढ़ माना जाने लगा है।

यद्यपि प्रगति के पथ पर कई उपलब्धियां हैं, फिर भी चुनौतियां शेष हैं। घरेलू हिंसा, असमान वेतन, साइबर अपराध और सामाजिक भेदभाव जैसी समस्याएं अब भी मौजूद हैं। किंतु अब महिलाएं चुप नहीं रहतीं, वे संगठित होकर आवाज उठाती हैं। कानून, जागरूकता और सामुदायिक सहयोग उनके संघर्ष को शक्ति दे रहे हैं। आत्मरक्षा, डिजिटल साक्षरता और अधिकारों की समझ ने उन्हें अधिक सजग बनाया है। यह संघर्ष पराजय का नहीं, परिवर्तन का संकेत है, जो समाज को अधिक न्यायपूर्ण और सुरक्षित बनाने की दिशा में अग्रसर है।

2026 की महिला केवल अपनी उन्नति तक सीमित नहीं, वह राष्ट्र निर्माण की सहभागी है। नारी शक्ति वंदन जैसे प्रयास इस बदलाव को संस्थागत आधार देते हैं। आज महिला नेतृत्व केवल प्रतीक नहीं, प्रेरणा है। वह नीति, नवाचार और नैतिकता का संतुलन स्थापित कर रही है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो विकास की परिभाषा विस्तृत होती है। यह समय है जब समाज स्त्री को सहयोग नहीं, साझेदारी दे। क्योंकि सशक्त महिला ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखती है, और यही आधुनिक भारत की पहचान बन रही है। महिलाओं की यह यात्रा केवल परिवर्तन की कहानी नहीं, चेतना के पुनर्जागरण का घोष है। यह बताती है कि सशक्तिकरण कोई उपहार नहीं, बल्कि अधिकार है, जिसे जागरूकता और अवसर से प्राप्त किया जाता है।

बच्चों के चहुंमुखी विकास में सहजयोग की भूमिका विश्व भर में प्रमाणित है

सहजयोग ध्यान द्वारा विश्व भर में अनेकानेक लोगों ने मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को प्राप्त किया है। सहजयोग पद्धति द्वारा लोगों के समाजिक व आध्यात्मिक उत्थान के भी अनेक उदाहरण उपलब्ध हैं ।

प्रश्न उठता है सहजयोग क्या है?

सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रति- स्थापित एक सहज ध्यान पद्धति है जिसमें कुण्डलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति होती है। तत्पश्चात् नियमित ध्यान-धारणा द्वारा मानव शरीर में स्थिति चक्रों व नाड़ियों को संतुलन प्राप्त होता है। यही संतुलन हमें अर्थ अन्तर्परिवर्तन की ओर अग्रसर करता है। शनैः शनैः बिना किसी बाहरी दबाव व प्रेरणा के हमारे विचारों, जीवन मूल्यों, में परिवर्तन आने लगता है, सही व गलत स्वयं ही सहज में हमारे समक्ष प्रकट होने लगता है। जैसे-जैसे हम सहजयोग में दृढ़ होते जाते हैं सारे प्रेम व आनन्द के मायने बदलते जाते हैं। माया जो कि जीवन में अभाव का दूसरा नाम है हमें प्रभावित नहीं कर पाती। आत्मा का ज्ञान ज्यों ही हमारी मध्य नाड़ी तंत्र को प्रकाशित करता है व हमारी शाश्वत शक्ति, कुण्डलिनी ब्रह्मरंध्र का भेदन करती है तो हमारा संबंध चैतन्य के रूप में प्रवाहित परम पिता की ऊर्जा से हो जाता है। अतः सहजयोग ऊर्जा का विज्ञान है। सहजयोग आत्मा के परमात्मा से लय होने की प्रक्रिया है। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की प्राप्ति इस प्रक्रिया का सह उत्पाद है।

आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने की कोई आयु नहीं होती और इसमें सांसारिक जीवन का त्याग नहीं होता है। यदि सहजयोग का परिचय बालपन में ही दिया जाए तो बच्चों का चहुंमुखी विकास सहज ही में हो जाता है। वे एकाग्रता, अनुशासन, तीव्र स्मरणशक्ति, व शैक्षणिक व व्यवसायिक सफलता को सहज ही में प्राप्त करने योग्य बन जाते हैं। किसी भी परिस्थिति में अनैतिकता उन्हें छू भी नहीं पाती क्योंकि स्वयं पावित्र्य के प्रतीक श्री गणेश आत्मसाक्षात्कार के पश्चात् उनके भीतर जागृत हो जाते हैं।

सावित्रीबाई फुलेः शिक्षा, समानता और सामाजिक क्रांति की अग्रदूत

सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका, 19 वीं सदी की प्रमुख समाज सुधारक और कवयित्री थीं। कहना ग़लत नहीं होगा कि उन्होंने महिला शिक्षा और सशक्तीकरण की दिशा में तथा जाति एवं लिंग आधारित भेदभाव को समाप्त करने में पथप्रदर्शक का कार्य किया और वे अपने आप में नारी सशक्तीकरण की एक मिसाल मानी जाती हैं। उनका जन्म 3 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के नायगांव (जिला सतारा) में हुआ था। पाठकों को बताता चलूं कि उनकी माताजी का नाम श्रीमती लक्ष्मीबाई तथा पिता का नाम श्री खन्दोजी नेवसे पाटिल था तथा उनका विवाह 1841 में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले(ज्योतिबा फुले) से हुआ था और उन्होंने उनके साथ मिलकर स्त्री शिक्षा और सामाजिक समानता की नींव रखी।

यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि ज्योतिबा फुले थॉमस पाइन की पुस्तक 'द राइट्स ऑफ मैन' से प्रभावित थे और उनका यह मानना था कि सामाजिक बुराइयों का मुकाबला करने का एकमात्र तरीका महिलाओं व निम्न वर्ग के लोगों को शिक्षा प्रदान करना था। वर्ष 1840 में जब बाल विवाह एक सामान्य बात थी, उस समय मात्र 10 साल की उम्र में ही सावित्रीबाई फुले का विवाह ज्योतिराव फुले, जिन्हें ज्योतिबा फुले के नाम से भी जाना जाता है, से कर दिया गया था, जो कि स्वयं उस समय मात्र 13 वर्ष के थे। बाद के समय में इस विवाहित जोड़े ने बाल विवाह(कम उम्र में विवाह) का विरोध किया और विधवा पुनर्विवाह की भी वकालत की।पाठकों को बताता चलूं कि महात्मा ज्योतिराव को महिलाओं और पिछड़े वर्गों को शिक्षित करने के उनके प्रयासों और कार्यों के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। विकीपीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार ज्योतिराव, जो बाद में ज्योतिबा के नाम से भी जाने गए सावित्रीबाई फुले के संरक्षक, गुरु और समर्थक थे। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि 11 मई, 1888 को महाराष्ट्र के सामाजिक कार्यकर्ता विट्ठलराव कृष्णजी वांडेकर द्वारा उन्हें(ज्योतिबा फुले को) 'महात्मा' की उपाधि से सम्मानित किया गया था। यहां उल्लेखनीय है कि वर्ष 1852 तक फुले ने तीन स्कूलों की स्थापना की थी, लेकिन 1857 के विद्रोह के बाद धन की कमी के कारण वर्ष 1858 तक ये स्कूल बंद हो गए थे।ज्योतिराव ने ब्राह्मणों और अन्य उच्च जातियों की रुढ़िवादी मान्यताओं का घोर विरोध किया और उन्हें पाखंडी करार दिया।कई लोगों का यह भी मानना है कि यह ज्योतिबा फुले ही थे, जिन्होंने सबसे पहले दलित शब्द का इस्तेमाल उन उत्पीड़ित जनता के चित्रण के लिये किया था, जिन्हें अक्सर वर्ण व्यवस्था से बाहर रखा जाता था। बहरहाल, ऊपर इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका और महान समाज सुधारक थीं, जिन्होंने उस समय शिक्षा का अलख जगाया जब लड़कियों को पढ़ाना पाप माना जाता था। उन्होंने अपने जीवन में अपमान, विरोध और कठिनाइयों का सामना करते हुए भी महिला शिक्षा और दलित-वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष किया।

ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर उन्होंने बालिकाओं और शोषित वर्गों के लिए विद्यालय स्थापित किए और समाज में समानता की भावना को मजबूत किया। वे केवल शिक्षिका ही नहीं, बल्कि कवयित्री और प्रखर विचारक भी थीं, जिनकी रचनाएँ सामाजिक चेतना को जाग्रत करती हैं। सावित्रीबाई फुले का संपूर्ण जीवन साहस, करुणा और सामाजिक परिवर्तन की अमर प्रेरणा है। वास्तव में उन्होंने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया, जिसका उद्देश्य था विधवा विवाह करवाना, छुआछूत मिटाना, महिलाओं की मुक्ति और महिलाओ को शिक्षित बनाना। उन्हें मराठी की आदिकवियत्री के रूप में भी जाना जाता था। दूसरे शब्दों में कहें तो सावित्रीबाई एक सशक्त कवयित्री भी थीं। उनकी प्रमुख कृतियाँ 'काव्यफुले' और 'बावन काशी सुबोध रत्नाकर' हैं, जिनमें सामाजिक चेतना, शिक्षा और समानता का संदेश मिलता है। यहां यह भी गौरतलब है कि 5 सितंबर 1848 में पुणे में अपने पति के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की नौ छात्राओं के साथ उन्होंने महिलाओं के लिए उस समय एक विद्यालय की स्थापना की, जिस समय लड़कियों की शिक्षा पर पाबंदी थी। उस समय एक वर्ष में सावित्रीबाई और महात्मा फुले पाँच नये विद्यालय खोलने में सफल हुए।श्रीमती फुले पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं तथा यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है कि उन्होंने बहुत पहले 1848 में पुणे में देश का पहला बालिका विद्यालय शुरू करके लड़कियों के लिए एक प्रकार से शिक्षा की नींव रखी। वास्तव में यह वह समय था जब लड़कियों और दलितों की शिक्षा का समाज में कड़ा विरोध होता था। कहते हैं कि जब वे पढ़ाने जाती थीं तो लोगों द्वारा उनका अपमान किया जाता था, गालियाँ और उन पर पत्थर तक फेंके जाते थे, फिर भी उन्होंने शिक्षा का मार्ग नहीं छोड़ा। यह भी जानकारी मिलती है कि वे रास्ते में एक अतिरिक्त साड़ी लेकर चलती थीं, ताकि उन पर गंदगी फेंके जाने पर वे उसे बदल सकें और स्कूल जा सकें। वास्तव में यह उनके अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का प्रतीक कहा जा सकता है। जैसा कि इस आलेख में ऊपर भी चर्चा कर चुका हूं कि अपने समय में उन्होंने छुआछूत, जाति-भेद, बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ आवाज़ उठाई। विधवाओं के पुनर्विवाह और गर्भवती विधवाओं के संरक्षण के लिए उन्होंने आश्रय गृह (बालहत्या प्रतिबंधक गृह) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे शोषितों, महिलाओं और दलितों के अधिकारों की सशक्त पक्षधर थीं।वर्ष 1852 में सावित्रीबाई ने महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये 'महिला सेवा मंडल' की शुरुआत की।सावित्रीबाई ने एक महिला सभा का आह्वान किया, जहाँ सभी जातियों के सदस्यों का स्वागत किया गया और सभी से एक साथ मंच पर बैठने की अपेक्षा की गई।उन्होंने वर्ष 1854 में 'काव्या फुले' और वर्ष 1892 में 'बावन काशी सुबोध रत्नाकर' का प्रकाशन किया। उनका काव्य-संग्रह 'काव्या फुले' सामाजिक चेतना से ओत-प्रोत रचनाओं का महत्वपूर्ण संकलन है। इस कृति में उन्होंने स्त्रियों की दुर्दशा, शिक्षा के महत्व, जातिगत भेदभाव, अंधविश्वास और सामाजिक अन्याय जैसे विषयों को सरल किंतु प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत किया है। 'काव्या फुले' की कविताएँ लोगों को सोचने, प्रश्न करने और समानता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। इनमें करुणा, विद्रोह और सुधार की स्पष्ट भावना दिखाई देती है, जिससे यह कृति उस समय के शोषित-वंचित समाज की सशक्त आवाज़ बन गई। इसके अलावा वर्ष 1892 में प्रकाशित 'बावन काशी सुबोध रत्नाकर' सावित्रीबाई फुले की एक और महत्वपूर्ण साहित्यिक रचना मानी जाती है। इस कृति में बावन सुभाषितों या शिक्षाप्रद पद्यों के माध्यम से उन्होंने नैतिकता, सदाचार, शिक्षा, मानवीय मूल्यों और सामाजिक सुधार के विचारों को प्रस्तुत किया। यह ग्रंथ सरल और सुबोध भाषा में लिखा गया है ताकि सामान्य जन, विशेषकर महिलाएँ और वंचित वर्ग, इसे आसानी से समझ सकें। 'बावन काशी सुबोध रत्नाकर' का उद्देश्य लोगों को आत्मचिंतन, विवेक और सही आचरण की ओर प्रेरित करना था। इस रचना के माध्यम से सावित्रीबाई फुले ने यह स्पष्ट किया कि शिक्षा केवल अक्षर-ज्ञान नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और मानवीय गरिमा की स्थापना का माध्यम है। अपनी कविता 'गो, गेट एजुकेशन' में वह उत्पीड़ित समुदायों से शिक्षा प्राप्त करने और उत्पीड़न की जंजीरों से मुक्त होने का आग्रह करती हैं। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन करते हुए बाल विवाह के खिलाफ एक साथ अभियान चलाया। वर्ष 1873 में महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले ने समाज में व्याप्त ब्राह्मणवादी वर्चस्व, जातिगत भेदभाव और दहेज प्रथा के विरुद्ध एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पहला 'सत्यशोधक विवाह' प्रारंभ कराया। दूसरे शब्दों में कहें तो सत्यशोधक समाज (द ट्रुथ-सीकर्स सोसाइटी) की स्थापना 24 सितंबर, 1873 को ज्योतिराव-सावित्रीबाई और अन्य समान विचारधारा वाले लोगों द्वारा की गई थी।इस विवाह की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसमें न तो दहेज लिया जाता था, और न ही किसी ब्राह्मण पुजारी की आवश्यकता पड़ती थी और न ही वेदङ्कमंत्रों अथवा जटिल कर्मकांडों का पालन किया जाता था। सच तो यह है कि विवाह को एक सामाजिक समझौते के रूप में देखा गया, न कि धार्मिक कर्मकांड के रूप में।इस सत्यशोधक विवाह का उद्देश्य था-स्त्रीङ्कपुरुष समानता, सरलता और सामाजिक न्याय। इसमें दोनों पक्षों द्वारा समान शपथ ली जाती थी कि वे एक-दूसरे का सम्मान करेंगे, स्त्री को दासी नहीं बल्कि समान अधिकारों वाली साथी मानेंगे और जाति-आधारित भेदभाव का पालन नहीं करेंगे। यह विवाह व्यवस्था उस समय के समाज के लिए क्रांतिकारी विचार थी, क्योंकि इससे न केवल दहेज जैसी कुप्रथाओं पर चोट हुई, बल्कि ब्राह्मणवादी धार्मिक एकाधिकार को भी खुली चुनौती मिली।इस पहल ने विवाह संस्था को मानवीय, नैतिक और समानतावादी मूल्यों से जोड़ने का कार्य किया और आगे चलकर समाज सुधार आंदोलनों के लिए एक मजबूत वैचारिक आधार बना। सत्यशोधक विवाह आज भी सामाजिक सुधार और समानता की दिशा में फुले दंपति की दूरदर्शिता का सशक्त उदाहरण माना जाता है। इतना ही नहीं,वर्ष 1848 में फुले ने पूना में लड़कियों, शूद्रों एवं अति-शूद्रों के लिये एक स्कूल शुरू किया तथा 1850 के दशक में फुले दंपत्ति ने दो शैक्षिक ट्रस्टों की शुरुआत की- नेटिव फीमेल स्कूल (पुणे) और 'द सोसाइटी फॉर प्रोमोटिंग द एजुकेशन ऑफ महार'- जिसके तहत कई स्कूल शामिल थे। वर्ष 1853 में उन्होंने गर्भवती विधवाओं के लिये सुरक्षित प्रसव हेतु और सामाजिक मानदंडों के कारण शिशुहत्या की प्रथा को समाप्त करने के लिये एक देखभाल केंद्र खोला। दूसरे शब्दों में कहें तो विधवाओं और बलात्कार पीड़ित महिलाओं के लिए उन्होंने पहला बालहत्या-निरोधक गृह खोला।गौरतलब है कि बालहत्या प्रतिबंधक गृह (शिशु हत्या निवारण गृह) उनके ही घर में शुरू हुआ।

-सुनील कुमार महला

गिग कर्मियों की हड़ताल ने क्यों क्विक कॉमर्स के बिजनेस मॉडल पर खड़े किए बड़े सवाल

साल 2025 के अंत में गिग कर्मियों और विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के लिए काम करने वाले कामगारों के एक वर्ग द्वारा मेहनताने और काम के हालात को लेकर की गई हड़ताल ने क्विक कॉमर्स और फूड डिलिवरी कंपनियों को अपने कारोबारी मॉडल को नए सिरे से तैयार करने का अवसर प्रदान किया है। गिग कर्मचारियों की मांगें बुनियादी हैं। इनमें न्यायसंगत और पारदर्शी वेतन, 10 मिनट में सामान की आपूर्ति करने पर प्रतिबंध तथा हाल ही में अधिसूचित श्रम संहिताओं के अनुरूप वेतन और लाभों का समायोजन करना शामिल है।

नियोक्ताओं के लिए भी प्रतिक्रिया देना तेजी से जरूरी होता जा रहा है क्योंकि पिछले कुछ साल में क्विक कॉमर्स का तेजी से विस्तार हुआ है और गिग तथा प्लेटफॉर्म श्रमिकों की मांग में भारी इजाफा होने की संभावना है। नीति आयोग का अनुमान है कि राइड शेयरिंग, डिलिवरी, लॉजिस्टिक्स और पेशेवर सेवाओं जैसे क्षेत्रों में कार्यरत कामगारों की संख्या एक करोड़ तक हो चुकी है। वर्ष 2029-30 तक यह बढ़कर 2.3 करोड़ तक पहुंच सकती है। दूसरे शब्दों में कहें तो अर्थव्यवस्था का यह खंड युवाओं के लिए रोजगार का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत बनने की क्षमता रखता है। इसके बावजूद यह तेजी से स्पष्ट होता जा रहा है कि उनके काम करने के हालात को आदर्श नहीं माना जा सकता है।

पहली बात तो यही कि क्विक कॉमर्स तेजी से एक ऐसा व्यापार मॉडल बनता जा रहा है जो ट्रैफिक नियमों को तोड़ने पर आधारित है। उपभोक्ताओं तक पहुंचने की प्रतिस्पर्धी होड़ ने एक ऐसी संरचना बना दी है जो डिलिवरी पार्टनर्स को तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने और न केवल खुद को बल्कि आम जनता को भी खतरे में डालने के लिए मजबूर करती है। डिलिवरी समय-सीमा और सड़क सुरक्षा के बीच संबंध को साबित करने के लिए आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन समस्या इतनी गंभीर हो गई थी कि बेंगलूरु पुलिस ने इस पर ध्यान दिया और डिलिवरी कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। वहां की पुलिस ने यह कदम तब उठाया जब उसने लापरवाह ड्राइविंग के कारण डिलिवरी पार्टनर्स के खिलाफ बुकिंग और जुर्माने में उल्लेखनीय वृद्धि देखी। इसलिए, गिग श्रमिकों की यह मांग कि इन समय-सीमाओं को समाप्त किया जाए, निराधार नहीं है।

-धनंजय राजौरा

गिग-वर्कर्सः डिजिटल सुविधा की चकाचौंध में पसीने का अंधेरा

ऑनलाइन बाज़ार और त्वरित सेवाओं के इस दौर में गिग-वर्कर्स शहरी जीवन-व्यवस्था की वह अदृश्य रीढ़ बन चुके हैं, जिनके बिना 'दस मिनट में डिलीवरी' और 'एक क्लिक पर सुविधा' की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बाज़ार आने-जाने के झंझट से लोगों को मुक्त करने वाले ये युवा हर मौसम, हर समय और हर जोखिम में घर-घर सामान पहुँचाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम पर डिजिटल अर्थव्यवस्था की ऊँची इमारत खड़ी है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, शोषण और उपेक्षा झेल रहे हैं। नये साल की पूर्व संध्या पर गिग-वर्कर्स द्वारा की गई हड़ताल ने भले ही देशव्यापी आपूर्ति-श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उनकी बदहाल कार्य-परिस्थितियों की ओर देश का ध्यान अवश्य खींचा है। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी।

अपना व परिवार का पोषण करने वाले इन युवा गिग-वर्कर्स को अकसर सरपट दौड़ती मोटरसाइकिलों पर, भारी थैलों के साथ ऊँची इमारतों की सीढ़ियाँ चढ़ते देखा जा सकता है। समय सीमा का दबाव इतना तीव्र होता है कि ज़रा-सी देरी पर आर्थिक दंड झेलना पड़ता है। दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी-किसी भी स्थिति में उनकी आय पर सीधा असर पड़ता है। ग्राहकों का व्यवहार भी प्रायः असंवेदनशील होता है। देर होने पर झिड़कियाँ, सामान में कमी निकालकर अपमान, कभी-कभी हिंसक व्यवहार और रेटिंग के ज़रिये भविष्य की कमाई पर प्रहार-यह सब इनके रोज़मर्रा का हिस्सा है। इसके बावजूद औसतन 12-14 घंटे काम करने के बाद भी सात-आठ सौ रुपये की आय और वह भी बिना समुचित बीमा या सामाजिक सुरक्षा के एक गहरे शोषण की ओर इशारा करती है।

गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो पारंपरिक नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र रूप से छोटे-छोटे काम (गिग्स) करते हैं, जो अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे ऊबर, स्वीगी, जोमाटोज् या अन्य ऐप्स के ज़रिए मिलते हैं और इन्हें प्रति कार्य या प्रोजेक्ट के हिसाब से भुगतान मिलता है, न कि नियमित वेतन. इन श्रमिकों के पास कोई स्थायी रोजगार अनुबंध नहीं होता और वे खुद के बॉस की तरह काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा (जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन) जैसे लाभ नहीं मिलते। गिग वर्कर्स की चुनौतियाँ एवं मजबूरियां ज्यादा है, आय कम। आय की अनिश्चितता, सामाजिक सुरक्षा लाभों (जैसे बीमारी, दुर्घटना, पेंशन) का अभाव, श्रम अधिक-भुगतान कम, कामकाजी घंटों और मजदूरी को लेकर अक्सर विवाद। गिग वर्कर्स गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं, जहाँ वे अपनी मर्ज़ी से छोटे-छोटे, अस्थायी काम करके पैसे कमाते हैं, जो पारंपरिक 9-से-5 की नौकरी से अलग होता है। गिग वर्कर का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो आमतौर पर सेवा क्षेत्र में एक स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में अस्थायी काम करता है जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों के बाहर काम करता है या कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और ऐसी गतिविधियों से कमाई करता है।

निस्संदेह, गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन की अपनी क्षमता दिखाई है। आज भारत में गिग-वर्कर्स की संख्या सवा करोड़ से अधिक है और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक पहुँच सकती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बेरोजगारी के बढ़ते दौर में पढ़े-लिखे युवा इस व्यवस्था में 'विकल्प' के रूप में नहीं, बल्कि 'मजबूरी' में प्रवेश कर रहे हैं। जिस देश को युवाओं का देश कहा जाता है, वहाँ शिक्षित युवाओं का अस्थायी, असुरक्षित और सम्मानहीन श्रम-व्यवस्था में फँसना न केवल चिंताजनक, बल्कि शर्मनाक भी है। यह स्थिति बताती है कि हमारी विकास-नीतियाँ रोजगार की गुणवत्ता पर नहीं, केवल संख्या पर केंद्रित हैं। गिग-वर्कर्स की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि कंपनियाँ उनसे पूरा काम लेती हैं, लेकिन उन्हें पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध के दायरे में स्वीकार नहीं करतीं। उन्हें 'स्वतंत्र कामगार' कहकर नियुक्ति, स्थायित्व, बीमा और न्यूनतम वेतन जैसी जिम्मेदारियों से बचा जाता है।

हायर एंड फायर की नीति, एल्गोरिदम आधारित नियंत्रण, रेटिंग सिस्टम और प्रोत्साहन के नाम पर लालच-ये सब मिलकर एक ऐसी अदृश्य जकड़न पैदा करते हैं, जिसमें श्रमिक स्वतंत्र दिखता है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नियंत्रित होता है। हड़ताल के दौरान भी अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर या ऑर्डर बढ़ाकर श्रमिक एकता को कमजोर कर दिया जाता है। 31 दिसंबर को एक प्रमुख खाद्य वितरण कंपनी द्वारा रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किया जाना इसी विडंबना को उजागर करता है। हाल के दिनों में संसद में भी गिग-वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा है। सांसद राघव चड्ढा और मनोज कुमार झा जैसे नेताओं ने इस वर्ग की दयनीय स्थिति पर ध्यान दिलाया है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में जब तक इन श्रमिकों की आवाज़ शामिल नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे रहेंगे।

भारत सरकार द्वारा हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान, आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएँ एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान वास्तव में गिग-वर्कर्स के जीवन में ठोस बदलाव ला पाएँगे? या फिर ये केवल काग़ज़ी सुधार बनकर रह जाएँगे? जब तक न्यूनतम आय, कार्य-घंटों की सीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होती, तब तक इन सुधारों को परिवर्तनकारी नहीं कहा जा सकता। 31 दिसंबर की हड़ताल भले ही पूरी तरह सफल न रही हो, लेकिन वह नैतिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह जायज़ थी। यह हड़ताल व्यवस्था को बाधित करने से अधिक, व्यवस्था के भीतर छिपे अन्याय, शोषण की वृत्ति एवं दोगलेपन को उजागर करने का प्रयास थी। गिग-वर्कर्स ने यह संदेश दिया कि वे केवल 'डिलीवरी बॉय' नहीं, बल्कि श्रमशील नागरिक हैं, जिनके अधिकारों की अनदेखी अब और नहीं की जा सकती।

-ललित गर्ग

मूल राष्ट्रवादी चेतना, लोकतंत्र और अधिनायकवाद के प्रति सतर्कता

राष्ट्रवाद आधुनिक राष्ट्र-राज्य की वैचारिक आधारशिला है। यह केवल भौगोलिक सीमाओं या राजनीतिक सत्ता से संबद्ध अवधारणा नहीं है, बल्कि साझा इतिहास, सांस्कृतिक स्मृति, संवैधानिक मूल्यों और नागरिक उत्तरदायित्वों का समन्वित स्वरूप है। राष्ट्रवाद का मूल चरित्र सार्वभौमिक और समावेशी होता है, जो समानता, स्वतंत्रता, न्याय और मानवीय गरिमा जैसे मूल सिद्धांतों को पुष्ट करता है। ऐतिहासिक रूप से यह सिद्ध हुआ है कि राष्ट्र-निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया में राष्ट्रवादी चेतना की भूमिका निर्णायक रही है। किंतु जब यही चेतना सत्ता-केंद्रित राजनीति, संकीर्ण वैचारिक आग्रहों और तात्कालिक राजनीतिक लाभों से संचालित होने लगती है, तब यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन जाती है।

लोकतांत्रिक राष्ट्र में प्रत्येक नागरिक का यह नैतिक और संवैधानिक दायित्व है कि वह राष्ट्र के प्रति निष्ठावान और सजग रहे। किंतु इस निष्ठा का आशय अंध-समर्थन या आलोचनात्मक विवेक का त्याग नहीं है। दुर्भाग्यवश, समकालीन राजनीतिक परिदृश्य में राष्ट्रवाद को धर्म, जाति और संप्रदाय के साथ जोड़कर सत्ता-प्राप्ति का साधन बनाए जाने की प्रवृत्ति निरंतर बढ़ी है। ऐसी राजनीति न केवल राष्ट्रीय एकता को खंडित करती है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता और निष्पक्षता को भी कमजोर करती है। इतिहास साक्षी है कि सत्ता के दीर्घकालिक केंद्रीकरण ने राजाओं, सम्राटों और शासकों को निरंकुश बनाया है। आधुनिक लोकतंत्र में भी यह खतरा कम नहीं हुआ है, बल्कि अधिक परिष्कृत रूप में उपस्थित है।

लोकतंत्र का मूल सिद्धांत सत्ता का निरंतर आवर्तन है। सत्ता का परिवर्तनशील होना शासन को उत्तरदायी, पारदर्शी और जनोन्मुख बनाता है। इसके विपरीत, जब सत्ता लंबे समय तक एक ही राजनीतिक शक्ति के अधीन रहती है, तो अधिनायकवादी प्रवृत्तियों का उदय स्वाभाविक हो जाता है। अवसरवादी राजनीति, पद-लोलुपता और जातिगत समीकरणों का अतिवादी प्रयोग लोकतांत्रिक संतुलन को बिगाड़ देता है। इस प्रक्रिया में जनता को दूरगामी राष्ट्रीय हितों के स्थान पर तात्कालिक लाभों के प्रलोभन में उलझाया जाता है, जिससे नीति-निर्माण की गुणवत्ता और राष्ट्रीय विकास की क्षमता दोनों प्रभावित होती हैं।

लोकतंत्र में राजनीति का उद्देश्य जनभावनाओं का शोषण नहीं, बल्कि उनका संरक्षण और संवर्द्धन होना चाहिए। किंतु जब राजनीति का केंद्र बिंदु सत्ता-प्राप्ति और सत्ता स्थायित्व बन जाता है, तब सिद्धांतों की प्रतिबद्धता कमजोर पड़ जाती है। अवतारवाद, सस्ती लोकप्रियता और भावनात्मक ध्रुवीकरण लोकतंत्र को भीतर से खोखला कर देते हैं। भारतीय राजनीतिक परंपरा में 'शाम, दाम, दंड, भेद' को शासन के उपकरण के रूप में स्वीकार किया गया है, किंतु आधुनिक संवैधानिक लोकतंत्र में इनका अति प्रयोग अनुशासन, नैतिकता और संस्थागत विश्वास को क्षीण करता है।

लोकप्रियता को मापने के सुदृढ़ लोकतांत्रिक उपकरणों के अभाव में कई बार संगठित किंतु संख्यात्मक रूप से छोटे समूह नीति-निर्माण पर विपरीत प्रभाव डालने लगते हैं। यह स्थिति बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत है। दलबदल, अवसरवादी गठबंधन और सिद्धांतहीन राजनीतिक व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षरण के प्रमुख कारण बन चुके हैं। भारतीय संविधान के भीतर विद्यमान कुछ प्रक्रियात्मक छिद्रों का उपयोग कर राजनीतिक दल सत्ता-संरक्षण के जटिल ताने-बाने बुनते हैं, जिनके दीर्घकालिक दुष्परिणाम समाज और राष्ट्र दोनों को भुगतने पड़ते हैं।. जातिवादी राजनीति और लोकप्रियता की व्यावहारिक मजबूरियों ने खाप पंचायतों जैसी समानांतर संरचनाओं को जन्म दिया है। ये संरचनाएँ पंचायती राज व्यवस्था को प्रतिस्थापित करने का प्रयास करती हैं, जिससे लोकतंत्र की जमीनी संस्थाएँ कमजोर होती हैं। इसी प्रकार, धर्म और धार्मिक प्रथाओं में समानता तथा स्वतंत्रता का हनन तुष्टीकरण-आधारित राजनीति का प्रतिफल है। लोकतांत्रिक समाज में समानता, स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत किसी भी नीति-निर्णय के मूल में होने चाहिए। एकतरफा और भावनात्मक निर्णय इन मूल्यों के प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न करते हैं।

अतिराष्ट्रवाद की अवधारणा, जब लोकतांत्रिक विवेक से विमुख हो जाती है, तब तानाशाही प्रवृत्तियों को वैधता प्रदान करने लगती है। सैनिक राष्ट्रवाद, भय की राजनीति और सस्ती लोकप्रियता ने बीसवीं शताब्दी में अनेक देशों में लोकतंत्र को क्षतिग्रस्त किया है। पाकिस्तान, म्यांमार और उत्तर कोरिया जैसे उदाहरण दर्शाते हैं कि सुरक्षा और राष्ट्रहित के नाम पर सैन्य या अधिनायकवादी नियंत्रण किस प्रकार लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित कर सकता है। ये उदाहरण लोकतंत्र के लिए सतत चेतावनी के रूप में देखे जाने चाहिए।

लोकतंत्र का अंतिम उद्देश्य जनता का विश्वास अर्जित करना, उनकी सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना और उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा करना है। किंतु जब शासन सत्ताचरित्र, अवसरवाद और सत्ता में बने रहने की रणनीतियों में उलझ जाता है, तब लोकतंत्र के संस्थागत स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया कमजोर होने लगते हैं।

ऐसे समय में समाज के प्रबुद्ध, सजग और जिम्मेदार वर्ग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि समय रहते विवेकपूर्ण हस्तक्षेप नहीं हुआ, तो लोकतंत्र के दुरुपयोग के परिणाम दीर्घकालिक और विध्वंसकारी हो सकते हैं।

-संजीव ठाकुर

कलेक्टर कार्यालय परिसर में पीयूसी जांच कैम्प का आयोजन कर 61 वाहनों की पीयूसी जांच की

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नेशनल क्लिन एयर प्रोग्राम के अंतर्गत वायु प्रदूषण नियंत्रण करने के उद्देश्य से जिला परिवहन कार्यालय एवं नगर निगम देवास द्वारा दो दिवसीय प्रदूषण जांच कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत शुक्रवार को प्रदूषण जांच कैम्प कलेक्टर कार्यालय परिसर में आयोजित कर शासकीय वाहनों की प्रदूषण जांच की गई। कैम्प में नगर पालिक निगम देवास के अन्तर्गत संचालित समस्त कचरा संग्रहण वाहनों की प्रदूषण जांच की गई। साथ ही कलेक्टर कार्यालय में आने वाली अन्य शासकीय वाहनों का भी वाहन प्रदूषण जांच किया गया। प्रदूषण जांच कैम्प में कुल 61 वाहनों की पीयूसी जांच की गई है, जिसमें से 27 वाहनों में प्रदूषण के संबंध में तकनीकी त्रुटी होने के कारण निर्धारित मापदण्डों पर पूर्ण नहीं पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों को शीघ्र ही वाहन में आवश्यक सुधार करवाने के निर्देश जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान द्वारा दिये गये।

जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान ने बताया कि समस्त शासकीय और गैर शासकीय वाहनों को प्रदूषण जांच करवाकर प्रदूषण प्रमाण-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य है प्रदूषण जांच प्रमाण-पत्र नहीं पाए जाने पर संबंधित वाहन चालक के विरूद्ध चालानी कार्यवाही की जायेगी। प्रदूषण प्रमाण-पत्र गैर व्यसायिक एवं व्यावसायिक समस्त प्रकार के वाहनों के लिये अनिवार्य है। मोटरयान नियम के अनुसार गैर व्यावसायिक वाहनों के पास जांच के दौरान पीयूसी प्रमाण-पत्र नहीं पाए जाने पर 01 हजार रूपये की चालानी कार्यवाही एवं व्यावसायिक वाहनों के पास पीयूसी प्रमाण-पत्र नहीं पाए जाने पर रूपये 05 हजार की चालानी कार्यवाही की जायेगी।

उन्होंने बताया 15 जनवरी के पश्चात् गैर व्यावसायिक दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की भी पीयूसी जांच की जायेगी तथा प्रमाण-पत्र नहीं पाए जाने पर चालानी कार्यवाही की जायेगी।

03 जनवरी को प्रदूषण जांच कैम्प श्रीमंत तुकोजीराव पवार इन्डोर स्टेडियम भोपाल चौराहा देवास में प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक आयोजित किया जायेगा।

गुड़ पावडर में स्टेपलर पिन पाये जाने की शिकायत पर डी-मार्ट में गुड़ पावडर के नमूने लेने की कार्यवाही की गई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवास सुरेन्द्र ठाकुर ने बताया कि डी-मार्ट में गुड़ पावडर में स्टेपलर पिन पाये जाने की शिकायत पर शुक्रवार को केंद्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी गुनासीलन, सुरेश बैरवा वेस्टर्न झोन (मुम्बई), तकनीकी अधिकारी विनय कश्यप वेस्टर्न झोन (मुम्बई) एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवास सुरेन्द्र ठाकुर के दल द्वारा एवेन्यू सुपरमार्ट लिमिटेड देवास (डी-मार्ट) भोपाल रोड़ देवास पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत नमूना कार्यवाही की। जिसमें आर्गेनिक तत्व गुड़ पावडर, बेबी गुड़ पावडर एवं कस्तूरी गुड़ पावडर के नमूनें लिये जाकर नेशनल एक्रीडिएटेड फूड लेबोरेटरी मुम्बई को भेजने की कार्यवाही की गई।

एबी रोड स्थित होटल की दूसरी मंजिल के कमरे में आग लगी, दमकल ने आधे घंटे में पूरी तरह काबू पाया, कोई जनहानि नहीं

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एबी रोड स्थित सम्राट होटल में शुक्रवार को अज्ञात कारणों से आग लग गई। यह आग होटल की दूसरी मंजिल के एक कमरे में लगी थी, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने की सूचना मिलते ही नगर निगम से दमकल की गाडि़यां मौके पर पहुंचीं। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। जिस समय आग लगी, होटल के कर्मचारी ग्राउंड फ्लोर पर मौजूद रहे। कमरे से धुआं निकलते देख उन्होंने तत्काल नगर निगम फायर ब्रिगेड को सूचना दी। आग से कमरे में रखा सामान क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना की सूचना मिलने पर सीएसपी सुमित अग्रवाल भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि सम्राट होटल की दूसरी मंजिल के कमरे में आग लगी थी, जिसे नियंत्रित कर लिया गया है। आग लगने के कारणों की जांच की जाएगी।

नगरपालिका के दल ने विभिन्न वार्डो में पानी सप्लाई का निरीक्षण किया

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शाजापुर में गंदे पानी की शिकायत का समाचार पत्र में प्रकाशित खबर मिलने बाद शाजापुर नगर पालिका के दल द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में जाकर पानी सप्लाई के समय निरीक्षण किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री भूपेंद्र कुमार दीक्षित ने बताया कि निरीक्षण के दौरान देखा गया कि वार्ड नंबर 26 में साफ पानी आ रहा था। दिलोद रोड पर नल कनेक्शन नाली में टूटा पाया गया, जिसे ठीक किया गया। वार्ड क्रमांक 19 नाग नागिन रोड पर चार कनेक्शन नाली में टूटे पाए गए, जिन्हें बंद किए गए।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान तहत आयोजित शिविरों के कार्यों की गहन समीक्षा

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने आज अपने चेंबर में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान तहत विदिशा जिले में आयोजित शिविरों में क्रियान्वित कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने बैठक में विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ग्राम स्तर पर आयोजित इन शिविरों में सहरिया जनजातीय समुदाय के परिवारों को चिन्हित योजनाओं के लाभ के साथ-साथ पात्रता पर्ची, आधार कार्ड, समग्र आईडी, आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्यों में गंभीरता से कार्य किए जाएं। उन्होंने कहा है कि जिन ग्रामों में शिविर आयोजित किये जा रहे हैं वहां किसी भी प्रकार से कोई समस्या उत्पन्न ना हो खासकर उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन ग्रामों में शिविर आयोजित हो रहे हैं वहां विद्युत आपूर्ति सतत बनी रहे ताकि आधार, समग्र और आयुष्मान कार्ड इत्यादि कार्यों में व्यवधान उत्पन्न ना हो पाए अपर कलेक्टर श्री डामोर ने बैठक के दौरान ग्राम बार आयोजित शिविरों में बनाए गए आधार कार्ड , आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी सहित अन्य कार्यों की ग्राम वार समीक्षा की। उन्होंने शेष रह गए सहरिया जनजातीय परिवार के हितग्राही जिनके आधार कार्ड या आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं उन्हें समय सीमा में शिविरों के माध्यम से लाभ दिलाये जाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही साथ उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि जिन हितग्राहियों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है उन्हें भी इन दोनों योजनाओं का समय सीमा में लाभ दिलाएं।

कुर्की की कार्यवाही के दौरान निगम ने की बकाया 5 लाख 82 हजार की वसुली

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशन में उपायुक्त वित्त दीपक पटेल एवं राजस्व अधिकारी अनुभूति श्रीवास्तव के साथ निगम राजस्व की पूरी टीम के द्वारा आज संपत्ति कर के बकायादारों के विरुद्ध कुर्की की कार्यवाही की गई। कुर्की की कार्यवाही के दौरान संपतिकर की टीम के द्वारा राशि रुपए 5 लाख 82 हजार 8 सौ की वसुली की गई। जिसमे वार्ड 38 शालिनी रोड पर शबदर अली अकबर अली से 1 लाख 24 हजार, श्रवण हीरालाल चौहान से 1 लाख 49 हजार 5 सौ, वार्ड 39 हेबतराव मार्ग पर अब्दुल साजिद अब्दुल रहमान एवं अब्दुल रईस हाजी अब्दुल रहमान से 2 लाख 9 हजार 3 सौ की वसुली की गई तथा वार्ड 40 जय प्रकाश मार्ग पर हकीमउद्दीन हेदरअली से 1 लाख की राशि जमा कराई गई।

कार्यवाही राजस्व उपनिरीक्षक संजय सांगते, स्वच्छता निरीक्षक हेमन्त उबनारे, विशेष गैंग टीम के अबरार खान, सहायक राजस्व निरीक्षक संजय पारखे, विशाल पाटील, मनीष थोरात, शिरोमणीसिंह, गौतम तिवारी, स्वाधिन खरे, अजय खिची, ईरफान खान, रूपेश देशमुख, वार्ड 39 दरोगा विकास सांगते, वसुली सहायक अनिल बंजारे, चन्द्रशेखर ठाकुर, सादिक पठान, समीर मेव, गोविन्द डागरे, एवं टीम के द्वारा राशि जमा की गई। आयुक्त ने बताया कि संपत्तिकर के बकायादारों के विरुद्ध कुर्की की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

खाद एवं शासकीय योजनाओं का लाभ लेने हेतु फार्मर आईडी अनिवार्य है, एक भी किसान फार्मर आईडी से न छूटे- कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने भैरूंदा जनपद के अनेक ग्रामों में पहुंचकर विकास एवं निर्माण कार्यों, फॉर्मर रजिस्ट्री, वन व्यवस्थापन सहित विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य तभी पूरा होता है जब उनका क्रियान्वयन समय-सीमा में, गुणवत्ता के साथ और पारदर्शिता से किया जाए, इसलिए सभी अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराएं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. सर्वप्रथम ग्राम सेवनिया पहुंचे, जहां उन्होंने पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र एवं विद्यालय की बाउंड्री वॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी एवं विद्यालय परिसरों में स्वच्छता तथा मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए और किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसे तत्काल दूर किया जाए, ताकि बच्चों को बेहतर वातावरण मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने वन ग्रामों से राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन की कार्यवाही की विस्तार से समीक्षा की।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने ग्राम महागांव करिमा में फार्मर रजिस्ट्री के लिए लगाए गए कैंप का निरीक्षण किया और किसानों से संवाद किया। उन्होंने संबंधित पटवारी को निर्देशित किया कि आगामी दिनों में खाद का वितरण ई-टोकन प्रक्रिया से किया जाएगा, जिसके लिए फार्मर आईडी आवश्यक है, इसलिए सहकारी समितियों में पंजीकृत सभी किसानों की फार्मर आईडी शत-प्रतिशत तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी किसान इससे वंचित न रहे, इसके लिए गांव-गांव जाकर किसानों को फार्मर आईडी बनवाने के लिए प्रेरित किया जाए, क्योंकि खाद प्राप्त करने और शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए फार्मर आईडी अनिवार्य है।

शहरी पर्यावरण संरक्षण की एक पहल

पौधारोपण अभियान के लिए अभी से कार्ययोजना तैयार करे-उपायुक्त जाफरी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग भोपाल ने देवास में पौधारोपण के लिए एक लाख 77 हजार 9 सौ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा है। इस संबंध में नगर निगम उपायुक्त जाकिर जाफरी ने उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक में लक्ष्य अनुसार पौधारोपण की कार्ययोजना तैयार किए जाने के निर्देश निगम अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि समस्त कार्यों के लिए निविदाएं आमंत्रित करने की कार्यवाही निर्धारित समयावधि में आरंभ की जाएं।

उद्यान विभाग के सहायक यंत्री जगदीश वर्मा ने बताया कि उपायुक्त जाफरी ने देवास नगरीय क्षेत्र में पौधारोपण किया जाने के लिए भूमि का चयन करने, रोपे जाने वाले पौधों का चयन करने, जिले की शासकीय नर्सरी में पौधों को आरक्षित करवाने, निगम की नर्सरी तैयार करने के लिए स्थान का चयन करने, लगाए जाने वाले पौधों के लिए खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने, पौधों में पानी डालने की व्यवस्था करने और उनमें होने वाले रोगों के निदान के संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश बैठक में दिए। देवास की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से अमृत हरित महाअभियान-2026 में पौधारोपण कार्य में सहयोग करने और व्यक्तिगत पौधारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए प्रचार प्रसार हेतु भी अभी से कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। जिससे कि शासन के लक्ष्य अनुसार पौधा रोपण का कार्य पूर्ण किया जा सके। बैठक में उद्यान पर्यवेक्षक रवि अंबातिया और गोपाल परमार सहित निगम अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्टार्टअप को प्रति माह 10 हजार रूपये तक की सहायता

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा 24 फरवरी 2025 के बाद स्थापित होने वाले पात्र स्टार्टअप को मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति 2025 अंतर्गत 10000 रूपये प्रतिमाह की दर से 12 माह तक सहायता दी जा रही है। साथ ही मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में पात्र स्टार्टअप को बैंक से ऋण प्राप्त करने पर 58 का ब्याज अनुदान एवं 15 प्रतिशत अधिकतम 15 लाख रूपये तक की सहायता दी जा रही है।

उक्त सहायता के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, दुपाड़ा रोड शाजापुर में संपर्क. सूत्र प्रबंधक श्री रोहित डावर मोनं. 8305581804 एवं श्री सुरेन्द्रसिंह मालवीय सहायक प्रबंधक मोनं. 9669407869 से संपर्क किया जा सकता हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग महाप्रबंधक श्री नवीन शुक्ला ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 11 एवं 12 जनवरी 2026 को रविन्द्र भवन, भोपाल में मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट एवं इकोसिस्टम अवार्ड 2026 कार्यक्रम किया जा रहा है। उक्त सहायता एवं कार्यक्रम में भागीदारी के लिए इच्छुक स्टार्टअप startup.mp.gov.in पोर्टल पर-आवेदन कर पंजीयन कर सकते हैं।

भारत पर्व में स्थानीय एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकतंत्र का लोक उत्सव भारत पर्व 26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस की संध्या को जिला मुख्यालय पर मनाया जायेगा। लोकतंत्र के उत्सव के रुप में आयोजित भारत पर्व के प्रभावी आयोजन में स्थानीय एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए डिप्टी कलेक्टर एवं जनपद पंचायत शाजापुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री नेहा गंगारे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया हैं।

अत्याचार पीड़ितों को दिलाया जाए त्वरित न्याय - कलेक्टर

सीहोर /दैनिक मालवा हेराल्ड। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रत्येक प्रकरण में पूरी संवेदनशीलता, तत्परता एवं मानवीय दृष्टिकोण के साथ कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ितों को समयबद्ध राहत, सहायता और न्याय उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन का दायित्व है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि जिन प्रकरणों में बैंक खाते नही होने के कारण राहत राशि का वितरण नहीं हो पाया है, ऐसे व्यक्तियों से संपर्क कर उनके बैंक खाते खुलवाए जाएं। ताकि उन तक आर्थिक सहायता शीघ्र पहुंचाई जा सके। बैठक में जानकारी दी गई कि अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न धाराओं में दर्ज प्रकरणों में अनूसूचित जाति एवं जनजाति के हितग्राहियों को राशि स्वीकृत की गयी है। 01 अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक अनुसूचित जाति के 226 प्रकरणों में 02 करोड़ 40 लाख 60 हजार रूपये की राशि स्वीकृत की गई है और 83 प्रकरणों में 01 करोड़ 02 लाख 06 हजार रूपये की राशि का भुगतान किया गया है।

खेलो एम.पी. यूथ गेम्स 2025 के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय 21 खेलो की चयन स्पर्धा 11 से 15 जनवरी 2026 के मध्य प्रस्तावित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी श्री रविन्द्र हार्डिया ने बताया कि म.प्र. शासन खेल और युवा कल्याण विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार माह जनवरी 2026 में प्रस्तावित खेलो.एम.पी. यूथ गेम्स 2026 का आयोजन चार स्तर पर किया जायेगा। प्रथम चरण में ब्लॉक स्तर पर चयन स्पर्धा, द्वितीय चरण में जिलास्तरीय प्रतियोगिता, तृतीय चरण में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता तथा चतुर्थ चरण राज्यस्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

इसी क्रम में प्रथम चरण में जिले के प्रत्येक विकासखण्ड शाजापुर, शुजालपुर, कालापीपल, मोमन बडोदिया में 11 से 15 जनवरी 2026 तक कबड्डी, वालीवॉल, फुटबॉल, हॉकी खो-खो, रस्साकसी, पिटटू, क्रिकेट ऐथलेक्टिस कुश्ती बॉक्सिंग जूडो, बैडमिंटन, मलखंब, टेनिस, वेटलिफ्टिंग, टेबल टेनिस, योगासन तैराकी, शतरंज, खेलो की चयन स्पर्धा उपरोक्त तिथि पर आयोजन प्रस्तावित हैं। सभी खेलो के लिए आयु वर्ग अलग-अलग रहेंगे। अधिक जानकारी के लिए विकासखण्ड शाजापुर में श्री उमेश देथलिया मो.न. 9926495704, श्री जितेन्द्र शर्मा मोनं. 9713132417, विकासखण्ड शुजालपुर में श्री हुकमसिंह परमार मोनं. 9977879476 विकासखण्ड कालापीपल में श्री देवेन्द्र परमार मोनं. 9826542096 एवं मोमन बडोदिया मे श्रीमती संगीता मुजाल्दे 9993211703 या कार्यालय खेल और युवा कल्याण स्टेडियम परिसर में खिलाडी उपस्थित होकर सम्पर्क कर सकते हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद शाजापुर (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2026/03 — शाजापुर, दिनांक 02.01.2026

भवन/भूमि नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण की जानकारी हेतु यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि नगरीय क्षेत्र शाजापुर के अंतर्गत मकान/प्लाट आदि के लिए आवेदन पत्र मप्र नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अंतर्गत प्रस्तुत किए गए हैं. उक्त मकान/प्लाट के नामांतरण में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाण के आपत्ति लिखित रूप में विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के अंदर कार्यालय नगर पालिका परिषद शाजापुर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें. निश्चित समयावधि के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा. नियमानुसार नामांतरण की कार्यवाही की जाएगी, सो सूचित हो.

क्र.	पृ.क्र.	आवेदनकर्ता का नाम व पता	संपत्ति हस्तांतरणकर्ता का नाम	वार्ड क्र./क्षेत्र	मकान/भूमि	नामांतरण का आधार
1	11/26X7	प्रवीण पिता केशुलाल सांवले, बिकलाखेड़ी	रमेश चंद्र पिता मांगीलाल, निलकंठ कॉलोनी, शाजापुर	29 रेलवे लाइन के पार	भूमि सर्वे क्रं 538/2/2/2/2	रजिस्ट्री
2	12/26X7	संतोष बाई पति प्रेम, माकड़ोन, उज्जैन	अंकुश राठौर पिता मनोहरलाल, कसेरा बाजार, शाजापुर	28 चिमनलाल जैन वार्ड	भूमि सर्वे क्र. 1295/1/2/2	रजिस्ट्री
3	13/26X7	शाहीदा बी पति शकील अहमद, सपरीपुरा, शाजापुर	जुनैद एहमद मंसूरी पिता शफी एहमद मंसूरी, मीरकला बाजार शाजापुर	7, सपरीपुरा	भूमि सर्वे क्र. 387	रजिस्ट्री
4	14/26X7	मंजू देवतवाल पति श्याम, किला रोड शाजापुर	अनुपम गंगराड़े पिता अजय खत्रीपुरा शाजापुर	21, खत्रीपुरा	भूमि सर्वे क्र. 12/1/2	रजिस्ट्री
5	15/26X7	वर्षा जोशी पति हितेश जोशी, आनंद नगर, शाजापुर	आलोक गुप्ता पिता अशोक, गायत्री नगर, शाजापुर	28, कान्हा रेसीडेंसी	भवन भूमि क्र. 29	रजिस्ट्री
6	16/26X7	सुनील विश्वकर्मा पिता स्व. गौरीशंकर, आदर्श कॉलोनी शाजापुर	स्व. गौरीशंकर पिता बालप्रसाद, आदर्श कॉलोनी, शाजापुर	2, आदर्श कॉलोनी	भवन भूमि क्र. 447/1	फोती नामांतरण
7	17/26X7	संतोष गोयल पिता नगजीराम, हरिजन मोहल्ला, शाजापुर	रमेशचंद्र पिता मांगीलाल, निलकंठ कॉलोनी, शाजापुर	29, रेलवे लाइन के पार	भूमि सर्वे क्र. 538/2/2/2/2	रजिस्ट्री
8	18/26X7	जगदीश पिता नगजीराम, हरिजन मोहल्ला, शाजापुर	रमेशचंद्र पिता मांगीलाल, निलकंठ कॉलोनी, शाजापुर	29, रेलवे लाइन के पार	भूमि सर्वे क्र 538/2/2	रजिस्ट्री
9	19/26X7	सुशीला, महेश पति / पिता स्व. राजमल जैन, मारवाड़ सेरी, शाजापुर	स्व. राजमल जैन पिता स्व. लालजीराम, मारवाड़ सेरी, शाजापुर	9, मारवाड़ सेरी	भवन क्र. 43/1	फोती नामांतरण
10	20/26X7	लाड़कुंवर बाई पति दयाराम, रेलवे कॉलोनी, शाजापुर	समशुद्दीन पिता नूरुद्दीन मह्लपुरा शाजापुर	29, नहर की पुलिया	भूमि सर्वे क्र. 514/573	रजिस्ट्री

प्रेम जैन
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद शाजापुर

दिनेश सौराष्ट्रीय
प्रभारी, राजस्व एवं वित्त लेखा
नगर पालिका परिषद शाजापुर

भूपेंद्र कुमार दीक्षित
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद शाजापुर

उर्वरक वितरण की ई-विकास पर पंजीयन अनिवार्य अब घर बैठे ई-टोकन बुक करा सकेगे किसान उक्त प्रणाली 1 जनवरी 2026 से लागू

राजगढ़/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र बेरखेड़ी कला भोपाल मे उर्वरक वितरण की ई-विकास प्रणाली संबंधी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें उर्वरक वितरण की ई-विकास पर agristack पर किसानों का पंजीयन अनिवार्य किया है। भोपाल संभाग के सभी जिले के कृषि, एम.पी.एग्रो., विपणन एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी शामिल हुए। जिन्हे ई-टोकन व्यवस्था की जानकारी दी। संभाग के पायलेट प्रोजेक्ट मे शामिल जिला विदिशा के अधिकारियों से इनमें आने वाली चुनौतियों की जानकारी लेकर उनके निराकरण बताए। सभी अधिकारी अपने जिले के किसानों को अपडेट करते हुए उन्हे ई-टोकन प्रणाली से जोड़ेगे तथा इसी के माध्यम से खाद का वितरण करेगें। उक्त प्रणाली 01 जनवरी 2026 से लागू किया गया है। संयुक्त संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास भोपाल संभाग भोपाल ने बताया कि किसान जिस समिति का ड्यू सदस्य है, उसे संबंधित समिति पर ही खाद बुक करना होगा। खरीफ सीजन में ली खाद की लिमिट पूरी हो चुकी है, तो नकद राशि जमा कर लिमिट खुलवाना होगी।

फसल कटाई के पश्चात् बचने बाले अवशेष ठूंट एवं डंटल (नरवाई) को जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित

शिवपुरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए संपूर्ण जिला शिवपुरी की राजस्व सीमा क्षेत्र के लिए आदेश पारित किया है। जिसके तहत शिवपुरी जिलांतर्गत फसल कटाई के पश्चात् बचने बाले अवशेष ठूंट एवं डंटल (नरवाई) को जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

जारी आदेश के तहत हार्वेस्टर मशीन संचालकों को यह अनिवार्य होगा कि वह हार्वेस्टर मशीन के साथ-साथ स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम लगाकर फसल कटाई के उपरांत अवशेष से स्थल पर ही भूसा बनाकर अवशेष का निपटान करेंगे। प्रत्येक कम्बाईन हार्वेस्टर संचालक फसल कटाई प्रारम्भ करने के पूर्व कृषि विभाग में सहायक कृषि यंत्री, कृषि अभियांत्रिकी शिवपुरी के कार्यालय में अपना पंजीयन करायेंगे, ऑपरेटर एवं मशीन के संचालन हेतु कार्यरत स्टाफ की जानकारी देंगे। सहायक कृषि यंत्री, कृषि अभियांत्रिकी शिवपुरी उक्त से संबंधित रिकॉर्ड संधारित करेंगे एवं समय-समय पर उसे राजस्व, कृषि, पुलिस विभाग को पंजीयन के संबंध में अवगत कराते रहेंगे। स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम का उपयोग किये बिना यदि कोई कृषक फसल कटाने हेतु दबाव बनाता है तो संबंधित कम्बाईन हार्वेस्टर संचालक इसकी सूचना तत्काल संबंधित ग्राम पंचायत निगरानी अधिकारी, पंचायत सचिव या संबंधित पुलिस थाने, नायब तहसीलदार, तहसीलदार, अनुविभागीय दण्डाधिकारी को देना सुनिश्चित करेगा। हार्वेस्टर मशीन एवं स्ट्रा मेनेजमेंट सिस्टम के उपयोग के दौरान मशीन से निकलने वाली चिंगारी से आगजनी की घटना को रोकने हेतु मशीन संचालक अग्निसुरक्षा संयंत्र के साथ-साथ आग बुझाने के लिये रेत एवं पानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेगा।

इसी प्रकार राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेशानुसार किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था से उपरोक्त निर्देशों का उल्लंघन पाये जाने पर आवश्यक पर्यावरण मुआवजा अदा करना होगा। जिसमें छोटे भूमि मालिक जिनकी भूमि का क्षेत्र 2 एकड़ से कम है, को पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में 2 हजार पांच सौ रूपये प्रति घटना देना होंगे। छोटे भूमि मालिक जिनकी भूमि का क्षेत्र 2 एकड़ से अधिक व 5 एकड़ से कम है, को पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में 5 हजार रूपये प्रति घटना देना होंगे। छोटे भूमि मालिक जिनकी भूमि का क्षेत्र 5 एकड़ से अधिक है, को पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में 15 हजार रूपये प्रति घटना देना होंगे।

इसी प्रकार यह भी देखने में आया है कि खेतों के आस-पास लगे ट्रांसफार्मर से कभी-कभी चिंगारी/शॉर्ट सर्किट से भी आगजनी की घटनायें घटित हो जाती हैं। अतः अधीक्षण यंत्री, मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, शिवपुरी पर्याप्त संख्या में दल गठित कर यह सुनिश्चित करेंगे कि ट्रांसफॉर्मर से फसल नष्ट होने का खतरा तो नहीं है। खतरा होने की दशा में कृषक की सहमति से ट्रांसफॉर्मर के आस-पास 10x10 फिट क्षेत्र को खुला रखा जाए, जिससे कि शॉर्ट सर्किट के कारण होने वाली फसल हानि की घटनाओं की रोकथाम की जा सके। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा तथा यदि कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है तो उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 एवं वायु (प्रदूषण, निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम 1981 के अंतर्गत तथा अन्य सुसंगत अधिनियमों के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

बदनावर की बेटी बनी अभाविप की प्रांत कार्यकारिणी सदस्य

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मालवा प्रांत का तीन दिवसीय अधिवेशन रतलाम में हुआ अधिवेशन में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान शैक्षणिक एवं वर्तमान परिदश्य से जूड़े विभित्र प्रस्ताव पारित किए। राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सोलंकी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री चेतस सुखाड़िया, प्रॉत संगठन मंत्री संदीप वैष्णव एव प्रांत मंत्री दर्शन कहार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अंतिम सत्र में प्रांत अध्यक्ष डॉ. सौरभ पारिख ने सत्र 2025-26 की नवीन कार्यकारिणी घोषित की। जिसमें बदनावर की बेटी कशिश को प्रांत कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

जय श्री श्याम के जयकारों से गूंजा अकोदिया श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट ने निकाली निशान यात्रा

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया गुरुवार को नगर में जय श्री श्याम के जयकारों की गूंज सुनाई दी अवसर था श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट अकोदिया के तत्वाधान में निकाली गई श्री श्याम निशान यात्रा सांय 4:00 बजे नगर के मां अन्नपूर्णा मंदिर पर श्याम प्रेमी एकत्रित हुए जहां पर मां अन्नपूर्णा को चुनरी अर्पित की गई एवं निशान पूजन किया गया तत्पश्चात श्याम प्रेमी हाथों में निशान लेकर ढोल ढमाको के साथ जय श्री श्याम के जय कारो के साथ नगर भ्रमण किया निशान यात्रा अन्नपूर्णा मंदिर से प्रारंभ होकर बोलाई रोड सिध्दीविनायक चौराहा शिवाजी मार्केट टप्पा चौराहा परशुराम चौराहा होते हुए शनि धाम स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पर पहुंची जहां पर श्री श्याम प्रभु अकोदिया नरेश को निशान अर्पित कर नगर क्षेत्र प्रदेश देश में खुशहाली के लिए मंगल कामना की गई ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत द्वारा आरती की गई मंदिर के पुजारी पंडित हेमंत शर्मा द्वारा विधिवत पूजा संपन्न करवाई गई आरती पश्चात खिचड़ी प्रसादी का वितरण किया गया नव वर्ष के अवसर पर अल सुबह से लेकर देर रात्रि तक बाबा श्याम के दर्शनों हेतु श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा।

शाकंभरी प्राकट्योत्सव आज

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चंबल और चांबला नदी के संगम स्थित प्राचीन शाकंभरी माता मंदिर पिपलौदा सागोती माता पर प्रतिवर्षनुसार प्राकट्योत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। पांच दिवसीय उत्सव 30 दिसंबर से प्रारम्भ हुआ जिसमें पंचामृत अभिषेक पूजन, भगवती का चोला श्रृंगार, मंडल पूजन, नवचंडी पाठ, सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ।, पांच दिवसीय उत्सव का समापन 3 जनवरी शनिवार को नगर परिक्रमा शोभा यात्रा, कन्याभोज, भंडारे के साथ होगा । कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील पिपलौदा सागोती माता के समस्त ग्रामवासियों ने की है।

प्रशासन गांव की ओर के अंतर्गत मुख्यमंत्री के निर्देश पर ग्राम चंद्रागढ़ में रात्रि चौपाल संपन्न

डिण्डोरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुपालन में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की उपस्थिति में विकासखंड अमरपुर के ग्राम चंद्रागढ़, पंचायत खजरी माल में जमीन पर बैठकर रात्रि कालीन चौपाल का आयोजन किया गया। नववर्ष के प्रथम दिन आयोजित इस चौपाल में जिला प्रशासन का पूरा अमला बैगा बाहुल्य बस्ती में मौजूद रहा।

गांव पहुँचते ही कलेक्टर श्रीमती भदोरिया ने सबसे पहले प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन मकानों का निरीक्षण किया। उन्होंने हितग्राही श्री कमल सिंह बैगा, श्रीमती फूलवती बैगा, श्रीमती बुद्धू बाई, श्री देवी बैगा, श्री सोहन सिंह बैगा, श्रीमती झांकी बाई बैगा, श्रीमती रामप्यारी बैगा, श्रीमती शांतिबाई बैगा और श्रीमती बरती मरावी सहित अन्य हितग्राहियों से किस्तों के भुगतान, मजदूरी और राशन के संबंध में विस्तृत चर्चा की। अधूरे पड़े आवासों को देखते हुए उन्होंने एनआरएलएम प्रबंधक को निर्देश दिए कि शासकीय योजनाओं के माध्यम से आर्थिक अनुदान दिलाकर इन भवनों को शीघ्र पूर्ण कराया जाए। विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के बीच मोहल्ले में बैठकर कलेक्टर ने शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनवाड़ी, पशुपालन, महिला बाल विकास और विद्युत विभाग जैसी बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की।

घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग पर कार्रवाई, 7 सिलेंडर जप्त

गुना/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार चलाये जा रहे अभियान के तहत आम जनता को घरेलू गैस सिलेंडरों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने, व्यवसायिक उपयोग रोकने के लिये जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अवधेश पाण्डेय के निर्देशन में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, आशीष चतुर्वेदी एवं श्रीमती इन्दुशर्मा के द्वारा आज विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच की गयी। जांच के दौरान श्रीनाथ पावभाजी, शास्त्री पार्क चौपाटी, आगरा चाट भण्डार शास्त्री पार्क चौपाटी, महाकाल पावभाजी चायनीज सेन्टर, चौपाटी शास्त्री पार्क, आगरा चाट भण्डार ठेला, हनुमान चौराहा, विवेक कचौडी कॉर्नर, हनुमान चौराहा, मोनू सेन/ रामदयाल सेन टी-स्टॉल, कोर्ट के पीछे, इनके द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डरों का व्यवसायिक उपयोग करने के कागजात प्रस्तुत नहीं जाने पर कुल 07 घरेलू गैस सिलेंडर जप्त किये गये। उक्त सिलेंडरों को जप्ती उपरांत विवेक/केशर गैस एजेंसी को सुपुर्दगी में दिये गये हैं। इन 06 दुकानों के संचालकों के विरूद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश 2000 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया हैं, जो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत दण्डनीय अपराध है।

कर्नाटक के राज्यपाल डा गेहलोत प्रदेश के मुख्यमंत्री डा यादव सहित सांसद व विधायक भाजपा जिलाअध्यक्ष. धाकड के यहा विवाह समारोह में शामिल

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजा जन्मजेय की नगरी नागदा में 2 जनवरी को भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ के सुपुत्र रितिक के विवाह समारोह में वर्षा के साथ परिणय सूत्र में बंधने के अवसर पर मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए नवदंपती को आशीर्वाद प्रदान किया।

माननीय मुख्यमंत्री प्रातः 11.30 बजे नागदा हेलीपैड पर पहुँचे, जहाँ पार्टी के विधायकों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात वे ज्योति श्री रिसोर्ट पहुँचे, जहाँ कर्नाटक के राज्यपाल माननीय थावरचंद गहलोत सहित जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ ने उनकी अगवानी की।

मुख्यमंत्री ने विवाह समारोह में सहभागिता करते हुए भोजन ग्रहण किया, नवविवाहित दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद दिया तथा मित्र राजेश धाकड़ के परिजनों से आत्मीय भेंट की। लगभग आधा घंटे रुकने के पश्चात वे खाचरौद के लिए रवाना हुए।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद उमेशनाथ महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, घटिया विधायक सतीश मालवीय, नागदा विधायक तेजबहादुर चौहान, शाजापुर विधायक अरुण भीमावत सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, इष्टमित्र एवं परिजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष मनाने हेतु बैठक संपन्न

तिलगारा में 15 जनवरी को विशाल हिंदू सम्मेलन काआयोजन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शताब्दी वर्ष को हिंदू सम्मेलन के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में तिलगारा में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे

मंडल तिलगारा मे 15 जनवरी को श्री सरदार पटेल मांगलिक भवन तिलगारा में दोपहर 12:00 से विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन का निर्णय किया जाएगा बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मालवा प्रांत के सह-प्रचारक केतन भाई पटेल उपस्थित रहे। उन्होंने आगामी हिंदू सम्मेलन की व्यवस्थाओं को लेकर युवाओं को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया तथा सम्मेलन को सुचारू और सफल रूप से संपन्न कराने हेतु विभिन्न समितियों के गठन का निर्णय लिया गया।

तिलगारा में आयोजित होने वाले इस विशाल हिंदू सम्मेलन में तिलगारा सहित जाबड़ा, करणपुरा, रूपाखेड़ा, मुल्थान, भुवानीखेड़ा, भीमपुरा, नाहरखेड़ा, बोरदा सहित आसपास के गांवों से हिंदू समाज की महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे बड़ी संख्या में भाग लेंगे। बैठक में सम्मेलन को भव्य, अनुशासित एवं सफल बनाने पर विशेष चर्चा की गई।

भ्रूण लिंग जांच की सूचना देने वाले को मिलेंगे दो लाख रुपए

रीवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्भस्थ शिशु के लिंग निर्धारण परीक्षण पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। शिशु का लिंग निर्धारण परीक्षण करना दण्डनीय अपराध है। भ्रूण लिंग जाँच की सूचना देने वाले को दो लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि मुखबिर पुरस्कार योजना के तहत दी जाएगी। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि भ्रूण लिंग जाँच की सूचना देने वालों का नाम पूरी तरह से गोपनीय रखा जाएगा। उसकी सूचना के आधार पर प्रकरण दर्ज होकर न्यायालय में चालान प्रस्तुत होते ही एक लाख 25 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाएगी।

इसमें 50 हजार रुपए की राशि सूचना देने वाले को, 25 हजार रुपए की राशि पीसी एण्ड पीएनडीटी एक्ट के जिला नोडल अधिकारी को तथा 50 हजार रुपए की राशि अभियोजन अधिकारी को दी जाएगी।

न्यायालय में अपराध सिद्ध होने पर 75 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसमें सूचना देने वाले को 30 हजार रुपए, नोडल अधिकारी को 15 हजार रुपए तथा अभियोजन अधिकारी को 30 हजार रुपए की राशि दी जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मुखबिर प्रोत्साहन योजना के तहत स्टिंग ऑपरेशन करने पर स्टिंग के सफल होने तथा सत्यापन के बाद मुखबिर को 50 हजार रुपए, सहयोगी महिला को 20 हजार रुपए तथा अन्य सहयोगी को 10 हजार रुपए दिए जाएंगे। साथ ही नोडल अधिकारी को 15 हजार रुपए एवं अभियोजन अधिकारी को 30 हजार रुपए की राशि दी जाएगी।

नरवाई प्रबन्धन जागरूकता अभियान बना उन्नत खेती का उदाहरण

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अंशुल गुप्ता द्वारा चलाई जा रही नरवाई प्रबंधन की मुहिम के चलते विकासखंड नटेरन की ग्राम पंचायत वर्धा के कृषक श्री भूपेंद्र सिंह धाकड़ द्वारा अपने धान के खेत में शेष फसल अवशेष की नरवाई को न जलाते हुए ग्रामपंचायत स्तर के साथ-साथ सम्पूर्ण जिले में भी उन्नत खेती का प्रदर्शन किया है।

विभागीय अधिकारियों एवं नरवाई प्रबन्धन जागरूकता अभियान से मिली प्रेरणा - श्री धाकड़ द्वारा नरवाई प्रबंधन के अंतर्गत किए जा रहे कृषिगत क्रियाओं को दृष्टिगत रखते हुए बताया गया कि ग्राम पंचायत में क्षेत्रीय कृषि अधिकारी श्री लक्ष्मण गुर्जर द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान एवं समय-समय पर किए गए नरवाई प्रबन्धन जागरूकता कार्यक्रम से मिली प्रेरणा से इस रबी वर्ष में नरवाई को न जलाते हुए चने की फसल किस्म ट्टळ 204 की बुवाई की गई।

पर्यावरण संरक्षण एवं मृदा नमी का सदुपयोग - श्री धाकड़ द्वारा उन्नत खेती की परिचय दिया जा रहा है उसमें सम्बंधित कृषक द्वारा कृषि विभाग नटेरन से क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से मिले राष्ट्रीय खाद्य एवं पोषण सुरक्षा (दलहन) मिशन अंतर्गत चने की ट्टळ 204 किस्म का बीज अनुदान पर लिया गया था जिसकी बुवाई धान के खेत में बची नरवाई को रोटावेटर की सहायता से भूमि में मिलाकर की गई एवं खेत की तैयारी के समय पानी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए धान के खेत की नमी का उपयोग करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है।

क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं कृषकों से अपील - श्री धाकड़ द्वारा विकासखंड के सभी कृषकों से किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग जिला विदिशा के माध्यम से नरवाई प्रबन्धन हेतु उन्नत कृषि यंत्रों के उपलब्धता जिसमें मुख्यतः सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, रोटावेटर, थ्रेडर इत्यादि कृषिगत क्रियाओं में प्रयोग करने के लिए कृषकों से अपील की गई है साथ ही क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों से भी अपने क्षेत्रों में इस प्रकार के प्रयास करने हेतु प्रयत्न किए जाएं ऐसी अपील की जा रही है।

श्री बालाजी तीर्थ यात्रा कंपनी की गंगा सागर जगन्नाथ पुरी धाम यात्रा मदाना से रवाना

भाजपा नेता ने बस को भगवा ध्वज बताकर बस को किया रवाना धन्य है मदाना

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया 62 तीर्थ यात्रियों का जत्था मदाना के रामदेव मंदिर परिसर से गंगा सागर जगन्नाथ पुरी धाम यात्रा के लिए आज 62 तीर्थ यात्रियों का जत्था मदाना रवाना हुआ है वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मान सिंह सिसोदिया मंत्री जी भाजपा नेता प्रकाश मेवाड़ा भारतीय किसान संघ जिला अध्यक्ष डॉक्टर सवाई सिंह सिसोदिया युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष हेमंत मेवाड़ा चंदर सिंह पटवारी बाबूलाल पटवारी केलाश सिसोदिया हरिसिंह सिसोदिया शैलेंद्र प्रताप सिंह सिसोदिया धर्मेंद्र सिंह सिसोदिया महेश सिसोदिया कृष्ण पाल सिसोदिया महेंद्र सिंह सिसोदिया दिपक सिंह सेठ देवेंद्र सिंह सिसोदिया रवि पठारिया हाथी द्वारा सभी तीर्थ यात्रियों को गंगासागर के लिए रवाना किया भाजपा नेता प्रकाश मेवाड़ा मेवाड़ा ने बस को भगवा झंडी बता कर रवाना करते हुए कहा है कि धन्य है मदाना गांव जब भी कोई धार्मिक यात्रा होती है तो सबसे अधिक संख्या बल मदाना से होती है सनातन के लिए धर्म के लिए मदाना गांव एक इतिहास रचने योग्य गांव है इससे पहले भी गांव से अगर कोई धार्मिक यात्रा निकाली जाती है तो हजारों की संख्या में सनातनी भगवा ध्वज लेकर सबसे आगे चल पड़ते हैं यह सभी ग्रामीण जनों ने तीर्थ यात्रा पर जाने वाले 62 तीर्थ यात्री एवं यात्रा संचालक मानसिंह जी राजपूत का माला पहनाकर स्वागत स्वागत किया।

विदिशा एनआरसी वार्ड में कुपोषित बच्चों को पोषण किट का वितरण किया गया

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कुपोषण मुक्त विदिशा हेतु कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की नवीन पहल एवं नवाचार पोषण संजीवनी अभियान विदिशा एनआरसी में आज शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांसबा द्वारा कुपोषित बच्चों को किट वितरण किया गया।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता एवं जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया के मार्गदर्शन में जिले में 5 वर्ष तक की उम्र के बच्चों में गंभीर (तीव्र) कुपोषण से लड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पोषण संजीवनी अभियान (कुपोषण मुक्त विदिशा)शुरू किया गया है गंभीर कुपोषण से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल की गई है।

प्रमुख पहल एवं उपलब्धियां- उक्त कार्यक्रम में जन सहयोग के माध्यम से अति कुपोषित बच्चों के लिए पोषण किट तैयार करवाया गया है बिना जन सहयोग एवं जन जागरूकता के पोषण से लड़ना आसान नहीं है इसी बात को ध्यान में रखते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्र में कार्य करने वाले समाजसेवी जन प्रतिनिधि शासकीय अधिकारियोंध् कर्मचारियों के सहयोग लेते हुए बच्चों के लिए पोषण किट तैयार किया गया है।

पोषण किट में कुपोषित बच्चों को तीन माह तक की पोषण सामाग्री प्रदाय की जाती है जिसमें मूंगफली , मिश्रित सत्तू, बेसन ,चावल ,मूंग दाल ,गुड ,तेल, चना ,सोयाबीन बड़ी एवं घी इत्यादि शामिल हैं इसके अतिरिक्त सभी किट में एक टिफिन बॉक्स एवं पानी बोतल भी प्रदाय की जाती है इस किट में माता एवं बच्चों के देखभाल करने वाले के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल भी दिया गया है जो उन्हें इन सामग्रियों से विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों के लिए विभिन्न व्यंजन बनाने का तरीका बताता है यह किट आंगनबाड़ी केंद्रों से मिलने इस अभियान को साकार करने के लिए कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास जिला अधिकारी श्रीमती विनीता कांसवा की टीम ने इसे जमीनी स्तर पर साकार किया एवं महिला एवं बाल विकास की टीम ने आंगनवाड़ी स्तर पर समय समय पर मॉनिटरिंग की गई जिसके परिणाम बहुत ही सकारात्मक नतीजे सामने आए एवं समाज एवं हितग्राहियों द्वारा इस अभियान की भी बहुत सराहना की गई है

सामुदायिक जन भागीदारी से 1272 गंभीर कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर उक्त अभियान 30 जून 2025 से प्रारंभ किया गया है। वर्तमान में 1235 कुपोषित बच्चों को पोषण किट वितरण की जा चुकी है जिसमें 850 से अधिक बच्चों का सामान्य श्रेणी में सुधार हुआ है।

प्रशासनिक सूझबूझ से एनएच-45 निर्माण एवं सीएम राइज स्कूल के संरक्षण की दिशा में पहल

डिण्डोरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जबलपुर-अमरकंटक राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-45 के चौड़ीकरण कार्य एवं ग्राम नरिया में नवनिर्मित सीएम राइज स्कूल भवन के अस्तित्व को लेकर उत्पन्न तकनीकी गतिरोध अब जिला प्रशासन के हस्तक्षेप से सुलझने की दिशा में अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। स्कूल की बाउंड्री वॉल एवं भवन का कुछ हिस्सा हाईवे की जद में आने से निर्माण कार्य में बाधाएँ उत्पन्न हो रही थीं।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रतिनिधियों द्वारा स्पष्ट किया गया कि एनएच-45 का निर्माण पूर्व निर्धारित एवं अधिसूचित नक्शे के अनुरूप किया जा रहा है तथा सड़क की चौड़ाई निर्धारित मानकों के अनुसार रखना अनिवार्य है। वहीं दूसरी ओर, नरिया स्थित सीएम राइज स्कूल हाल ही में बनकर तैयार हुआ है, जो शासन की एक महत्वाकांक्षी शैक्षणिक योजना है और जिस पर करोड़ों रुपये की लागत आई है। ऐसे में भवन का कोई भी हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से न केवल शासकीय संपत्ति को नुकसान होता, बल्कि विद्यार्थियों की शिक्षा एवं सुरक्षा भी प्रभावित होती।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने मौके पर पहुँचकर स्थल निरीक्षण किया तथा दोनों पक्षों की बात सुनी। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्य आवश्यक हैं, लेकिन शिक्षा के मंदिरों को नुकसान पहुँचाकर नहीं। उन्होंने निर्देशित किया कि हाईवे निर्माण एवं स्कूल भवन दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाए।

शिक्षकों की वेतन वृद्धि रोकने, निलंबित करने और वेतन काटने जैसी कार्यवाही की गई

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मिशन अमृत संचय अभियान के तहत जिले के शासकीय सेवको को अपने-अपने निवास स्थान पर स्वैच्छिक रूप से रैन वॉटर हार्वेस्टिंग लगाने हेतु प्रेरित किया गया था । जिसके तहत संकुल केन्द्र ओंकोरश्वर के अन्तर्गत संचालित शालाओं के शिक्षकों के द्वारा रेन वॉटर हार्वेस्टिंग का कार्य न करते हुए आधुनिक तकनीक का उपयोग कर कूट रचित चित्रों को केच द रेन पोर्टल पर अपलोड किया गया। इस सबंध में जानकारी प्राप्त होते ही कलेक्टर जिला खण्डवा के निर्देश पर, जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सबंधित शिक्षकों को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया। इनमें से कुछ शिक्षकों के द्वारा आधुनिक तकनीकी से कूट रचित फोटो अपलोड करना स्वीकार किया गया है।

कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने बताया कि दिए गए निर्देशों का सही ढंग से पालन न करने वाले शिक्षकों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि श्री जगदीश मुनेवर प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओंकारेश्वर के निलंबन हेतु शिक्षा विभाग के आयुक्त को प्रस्ताव भेजा गया है। इसके साथ ही श्री दिनेश चौहान, श्रीमती सरीता सोलंकी एवं श्रीमती भारती यादव उच्च माध्यमिक शिक्षक की दो दो वेतन वृद्धि अंसचयी प्रभाव से रोकने के लिए भी प्रस्ताव आयुक्त लोक शिक्षण भोपाल की ओर भेजे गए है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने बताया कि श्रीमती रमावती कनेल प्रधान पाठक माध्यमिक शाला ओकारेश्वर के निलबंन का प्रस्ताव संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण इन्दौर संभाग की ओर भेजा गया है। इसके अलावा श्रीमती विद्या दुबे माध्यामिक शिक्षक शासकीय माध्यमिक शाला ओंकोरेश्वर, श्रीमती संध्या राजपूत उच्च श्रेणी शिक्षक, माध्यमिक शाला टेम्भी खुर्द विकास खण्ड पंधाना को निलंबित किया गया है। उन्होंने बताया कि श्री मनोज काले एवं श्री लोकेन्द्र कुमार यादव अतिथि शिक्षक ओंकारेश्वर का दो माह का वेतन काटा गया है तथा श्री सचिन यादव व्यावसायिक प्रशिक्षक ओकारेश्वर की सेवाएं सबंधित कम्पनी को वापस कर दी गई है।

ग्वालियर के उद्यमी भी ले सकते हैं स्टार्टअप के लिये मदद ऑनलाइन पंजीयन कराकर ले सकते हैं 'मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट' में हिस्सा

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये राज्य सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा भरपूर आर्थिक मदद प्रदान की जा रही है। सरकार द्वारा यह मदद मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति-2025 के तहत दी जाती है। ग्वालियर जिले में स्टार्टअप संचालित कर रहे उद्यमी भी यह लाभ उठा सकते हैं। राज्य शासन द्वारा स्टार्टअप को बढ़ावा देने की कड़ी में 11 व 12 जनवरी को भोपाल में मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट एवं ईको सिस्टम अवार्ड-2026 कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। स्टार्टअप के लिये सहायता प्राप्त करने एवं इस आयोजन में भाग लेने के इच्छुक भाग लेने के युवा भी स्टार्टअप पोर्टल startup.mp.gov.in पर पंजीयन करा सकते हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक श्री सुनील बाबू त्रिपाठी ने बताया कि 24 फरवरी 2025 के बाद स्थापित होने वाले पात्र स्टार्टअप को मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति के तहत 12 माह तक प्रतिमाह 10 हजार रुपए के हिसाब से आर्थिक सहायता दी जा रही है। साथ ही मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत स्टार्टअप स्थापित करने के लिये बैंक से लिए गए ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान एवं 15 प्रतिशत अधिकतम 15 लाख रुपए की सहायता दी जाती है। स्टार्टअप के लिये यहां करें संपर्क ग्वालियर जिले के ऐसे उद्यमी जो अपना स्टार्टअप खड़ा करना चाहते हैं वे विस्तृत जानकारी के लिये सिटी सेंटर स्थित जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र में संपर्क कर सकते हैं। इस संबंध में प्रबंधक श्री अल्ताफ राजा (मोबा. 9179853224), सहायक प्रबंधक श्री आनंद शर्मा (मोबा. 7415469857) एवं सहायक प्रबंधक श्री अनुराग शर्मा (मोबा. 7566464533) से संपर्क किया जा सकता है।

फास्ट फूड के दौर में भी सैलानियों की जुबान पर चढ़े हैं मेले के खजले

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आधुनिकता की दौड़ में भले ही चीनी, थाई व अन्य विदेशी फास्ट फूड युवाओं की पहली पसंद बनते जा रहे हैं, पर खासतौर पर मेलों में बिकने वाले खजला व पापड़ जैसे पारंपरिक व्यंजनों की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। इन व्यंजनों का स्वाद लेने का मजा ही कुछ और है। मेले में सजी-धजी दुकानों पर बैठकर सैलानी बड़े चाव के साथ खजला-पापड़ का लुत्फ उठाते हैं। साथ ही इसकी भीनी-भीनी ताजगी व खुशबू भी महसूस करते हैं।

ऐतिहासिक श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला में भी खजले की दुकानें सदैव से आकर्षण का केन्द्र रही हैं। इस बार के मेले में भी विभिन्न प्रकार के लजीज खजले व पापड़ की कई दुकानें सजीं हैं। मेले के झूला सेक्टर की तरफ अंजलि खजला-पापड़ के नाम से अपनी दुकान लगी है। इस दुकान के संचालक के अनुसार लगभग 60 सालों से ग्वालियर मेले में उनका परिवार दुकान लगाता आया है। पहले प्रमोद कुमार यादव खजले की दुकान लगाते थे, अब उनके बेटे अजय कुमार व सूरज कुमार यादव अपनी पुस्तैनी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। यादव परिवार के सदस्यों सहित कुल मिलाकर लगभग 50 कर्मचारी खजले व चाट की यह दुकान चला रहे हैं। खजला-पापड़ की दुकान पर रबड़ी खजला, मलाई खजला, खोए का खजला व दूध का खजला सहित नमकीन व कम मीठे खजले भी खूब बिकते हैं।

कलेक्टर ने एसडीएम कोर्ट पेटलावद एवं मेघनगर का किया निरीक्षण

राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध एवं पारदर्शी निराकरण के दिए निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना ने गुरुवार को एसडीएम कोर्ट पेटलावद एवं शुक्रवार को एसडीएम कोर्ट मेघनगर का निरीक्षण कर न्यायालयों में प्रचलित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने न्यायालयों में लंबित एवं निराकृत प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए उनकी वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को आवश्यक कार्यवाही हेतु भू-अभिलेख शाखा को समय पर प्रेषित किया जाए। इसके साथ ही फौजदारी प्रकरणों में सूचना पत्र तामिली की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के लिए संबंधित थानों से समन्वय स्थापित कर तामिली सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज सीमांकन, बंटवारा एवं नामांतरण से संबंधित लंबित राजस्व प्रकरणों की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी राजस्व प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि सभी अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों के रोस्टर तैयार किए जाएं तथा उनके नियमित निरीक्षण किए जाएं, जिससे न्यायिक कार्य प्रणाली अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बन सके।

कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में, त्वरित, समयबद्ध एवं पारदर्शी निराकरण पर विशेष बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन से जुड़े प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक विलंब एवं असुविधा का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मेघनगर श्रीमती रीतिका पाटीदार, तहसीलदार पेटलावद श्री अनिल बघेल, तहसीलदार मेघनगर श्री पलकेश परमार, नायब तहसीलदार पेटलावद सुश्री अंकिता भिड़े, नायब तहसीलदार मेघनगर सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक संपन्न

गुना/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्ट्रेट सभागार में आज कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक दुबे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री कन्याल द्वारा एक बगिया माँ के नाम अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों, लगाए गए पौधों की संख्या, वित्तीय प्रगति एवं दीर्घकालिक लाभों पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान से अधिकाधिक स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को जोड़ा जाए, ताकि आजीविका संवर्धन के साथ पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य भी सुदृढ़ हो।जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित वाटर हार्वेस्टिंग कार्यों की फील्ड स्तर पर जांच सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने खेत तालाब, डगवेल रिचार्ज एवं अमृत सरोवर जैसे कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), जनमन आवास तथा आवास प्लस योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ण करने पर बल दिया। साथ ही पंचायत स्तर पर निर्माणाधीन पंचायत भवन, सामुदायिक भवन एवं 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में लखपति दीदी के अंतर्गत महिलाओं की संख्या में वृद्धि करने तथा जिले के स्व-सहायता समूहों को प्रदेश के शीर्ष पाँच में शामिल करने के लिए ठोस एवं परिणामोन्मुखी प्रयास करने के निर्देश दिए गए।

ग्वालियर में 69वी राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर में 69वी राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी प्रतियोगिता का विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कम्पू स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया खेल परिसर में 2 से 7 जनवरी तक आयोजित हो रही बालिकाओं के लिये 14 व 19 वर्ष आयु वर्ग की इस राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों एवं विभिन्न शिक्षा बोर्ड की कुल 27 टीमें भाग ले रही हैं।

प्रतियोगिता के उदघाटन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि इस आयोजन में लघु भारत के सजीव दर्शन हो रहे हैं। उन्होंने कहा खेल का मैदान हमें अनुशासन सिखाता है। अनुशासित होकर ही देश को तेजी से विकास के पथ पर ले जा सकते हैं। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि खेल सिर्फ व्यायाम व प्रतिस्पर्धा भर नहीं है। खेल हमें अनुशासन भी सिखाते हैं। खेलों में निहित प्रतिस्पर्धा व अनुशासन की भावना विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। साथ ही आपसी मेलजोल और देश की बहुआयामी संस्कृति को जानने का मौका भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के माध्यम से मिलता है। ग्वालियर में आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता के माध्यम से भी ÷अनेकता में एकता हमारी विशेषता÷ के सजीव दर्शन हो रहे हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने आईं सभी खिलाड़ियों, कोच व ऑफिशियल्स को नव वर्ष की बधाई व शुभकामनायें दीं। साथ ही कहा कि आप सब अपने प्रदेश व संगठन के साथ-साथ देश का भी नाम रोशन करें।

विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने ध्वज फहराकर राष्ट्रीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। साथ ही सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ भी इस अवसर पर दिलाई गई। उदघाटन कार्यक्रम में शासकीय पद्मा उमावि व शासकीय एमएलबी कन्या उमावि की छात्र-छात्राओं ने रंगारंग एवं मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समा बांध दिया। आरंभ में राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी प्रतियोगिता में भाग ले रहीं सभी टीमों ने आकर्षक मार्च पास्ट किया। स्थानीय विद्या विहार स्कूल के बैंड की मधुर धुन के बीच देश के विभिन्न राज्यों से आईं टीमों में शामिल बालिकायें कदम से कदम मिलाते हुए आगे बढ़ीं। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों एवं खेल प्रेमियों ने करतल ध्वनि के साथ सभी टीमों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर आसमान में छोड़े गए रंगीन गुब्बारों ने अलग ही छटा बिखेरी। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने भी विचार व्यक्त किए। साथ ही जिला प्रशासन की ओर से देश भर से आई टीमों का ग्वालियर की धरती पर आत्मीय स्वागत किया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री हरओम चतुर्वेदी ने स्वागत उदबोधन दिया। उन्होंने जानकारी दी कि इस प्रतियोगिता में 27 टीमों में शामिल खिलाड़ियों, कोच व ऑफिशियल्स सहित लगभग 1100 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। सभी टीमों के ठहरने, भोजन व आवागमन की उत्तम व्यवस्था की गई है। साथ ही खेल परिसर में एक कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। कोई समस्या होने पर टीम के सदस्य कंट्रोल रूम में फोन कर अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं। उदघाटन कार्यक्रम में प्रतियोगिता के ऑब्जर्वर श्री पदम सिंह, खेल विशेषज्ञ श्री केशव सिंह गुर्जर, स्कूल शिक्षा विभाग के खेल अधिकारी श्री आर के सिंह व श्री पंकज शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। यह टीमें ले रही हैं हिस्सा राज्य शासन के लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित की जा रही राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी प्रतियोगिता में मेजबान मध्यप्रदेश सहित कुल 27 टीमें भाग ले रही हैं।

उद्यानिकी, पशुपालन और मछली पालन जैसी गतिविधियों से स्व सहायता समूह की महिलाएं बनेगी आत्मनिर्भर

मंत्री डॉ. शाह ने मत्स्य संपदा योजना के तहत इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर के कार्य का भूमि पूजन कर शुभारंभ किया

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने शुक्रवार को जिले के खालवा विकासखंड के ग्राम रोशनी में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत स्वीकृत इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर के निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर शुभारंभ किया। लगभग 1.36 करोड रुपए लागत के इस निर्माण कार्य के शुभारंभ अवसर पर मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की ÷लखपति दीदी÷ की अवधारणा को खंडवा जिले में साकार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वसहायता समूह की महिलाएं सब्जी उत्पादन, मत्स्य उत्पादन और पशुपालन जैसी गतिविधियों को एक साथ करके आसानी से लखपति बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि स्वसहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत अन्य गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती प्रमिला बाई, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉक्टर नागार्जुन बी. गौड़ा के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर के तहत ग्राम रोशनी में लगभग 1.36 करोड रुपए लागत से पॉन्ड बायोफ्लॉक, बायोफ्लोक 7 टैंक और केज कल्चर का निर्माण किया जाएगा।

मंत्री डॉक्टर शाह ने इस अवसर पर कहा कि हरसूद विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य लगातार जारी हैं द्य उन्होंने कहा कि ग्राम रोशनी में तालाब निर्माण से आसपास के गांव में भी भूजल स्तर बढ़ेगा और कृषि उत्पादन में भी सुधार होगा। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि रोशनी में जनजाति कार्य विभाग के दो और छात्रावास निर्मित कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि हरसूद एवं खालवा के महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए वाहन की सुविधा उपलब्ध है। अगले शिक्षा सत्र से यह व्यवस्था की जाएगी कि हरसूद एवं खालवा के महाविद्यालय तक इन वाहनों से ग्राम रोशनी के विद्यार्थी भी कॉलेज तक आ जा सकें।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉक्टर नागार्जुन गौडा ने इस अवसर पर बताया कि ग्राम रोशनी में गौशाला संचालन के साथ-साथ तालाब में मत्स्य पालन गतिविधियां प्रारंभ करने से गांव के स्वसहायता समूहों की महिलाओं की आय बढ़ेगी। जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर होगी। उन्होंने बताया कि रोशनी एवं आसपास के गांव की आदिवासी वर्ग की महिलाओं को स्वरोजगार संबंधित ट्रेनिंग भी दिलाई जाएगी, ताकि वे छोटे-मोटे व्यवसाय शुरू करके अपने परिवार का अच्छी तरह पालन पोषण कर सकें।

एक बगिया माँ के नाम योजना के कार्यों के निरीक्षण एवं सत्यापन हेतु जांच दल गठित

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक बगिया माँ के नाम परियोजना के अंतर्गत स्वंय सहायता समूह की महिला हितग्राहियों की निजी भूमि पर उद्यानिकी पौधारोपण किया जाता है । कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने जिले के सभी विकासखंडों की ग्राम पंचायतो में महिला स्वसहायता समूहों द्वारा एक बगिया माँ के नाम परियोजना के तहत तैयार बगियाओं की गुणवत्ता की जांच एवं भौतिक सत्यापन के लिए राजस्व, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के संयुक्त निरीक्षण दल गठित किए हैं। निरीक्षण दल में शामिल अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मौके पर जाकर मां की बगियाओं का भौतिक सत्यापन करें, और कार्य की गुणवत्ता देखें। निरीक्षण के दौरान यह भी देखें कि निर्धारित प्रजाति के पौधे लगाए गए हैं कि नहीं । इसके साथ ही जांच दल यह भी देखेगा कि बगिया की सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग का कार्य कराया गया है कि नही। जांच दल में शामिल अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि दल के सभी सदस्य साथ में निरीक्षण करें, और संयुक्त निरीक्षण प्रतिवेदन तैयार कर कलेक्टर जिला खंडवा को प्रस्तुत करें।

जारी आदेश के अनुसार बलडी विकासखंड के लिए गठित दल में नायब तहसीलदार श्री सुरेश बामनिया, कृषि विकास अधिकारी श्री दिनेश चौहान और उद्यान विभाग से अशोक पटलिया को शामिल किया गया है। इसी तरह छेगांव माखन विकासखंड के लिए गठित दल में नायब तहसीलदार सुश्री शीतल रणदा, कृषि विभाग से मंगलेश पटेल और उद्यानिकी विभाग के श्री जितेंद्र चौधरी को शामिल किया गया है। हरसूद विकासखंड के लिए गठित दल में तहसीलदार श्री सुरेश बामनिया, कृषि विकास अधिकारी कृष्ण लाल कनासे और उद्यान विकास अधिकारी अंकुर सिरोठिया को संयुक्त जांच दल में शामिल किया गया है।

खालवा विकासखंड के लिए गठित जांच दल में नायब तहसीलदार विनोद यादव, कृषि विकास अधिकारी श्री गोरेलाल वास्कले, उद्यान विकास अधिकारी श्री अश्विनी पाटीदार को शामिल किया गया है। खंडवा विकासखंड के लिए गठित दल में नायब तहसीलदार श्री रेम सिंह बघेल, कृषि विभाग से दिनेश सोलंकी, उद्यानिकी विकास अधिकारी तेजकरण पवार को शामिल किया गया है। पंधाना विकासखंड के लिए गठित जांच जल में नायब तहसीलदार वैशाली बघेल, कृषि विकास अधिकारी दिनेश निगवाले और उद्यानिकी विकास अधिकारी ओमप्रकाश पाटीदार को शामिल किया गया है। जबकि पुनासा विकास खंड के दल में नायब तहसीलदार अरविंद परिहार, कृषि विकास अधिकारी एसएन कनासिया और उद्यानिकी विकास अधिकारी सतीश पटेल को शामिल किया गया है।

मंत्री डॉ. शाह ने स्वच्छता मित्रों के वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने शुक्रवार को खालवा विकासखंड के ग्राम रोशनी में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता मित्र आपके द्वार योजना के तहत कुल 4 दोपहिया स्वच्छता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉक्टर नागार्जुन गौड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी भी मौजूद थे। ग्राम खारकला, रोशनी, खालवा एवं आशापुर के स्वच्छता मित्रों के वाहनों को इस अवसर पर रवाना किया गया। जिला पंचायत के सीईओ डॉक्टर गौड़ा ने इस अवसर पर बताया कि ये स्वच्छता मित्र अपने-अपने क्षेत्र के गांवो में सामुदायिक शौचालय एवं व्यक्तिगत शौचालयों की साफ सफाई का कार्य करेंगे। इसके लिए इन्हें सामुदायिक शौचालय की स्वच्छता के लिए 200 रुपए तथा व्यक्तिगत शौचालय की स्वच्छता के लिए 50 रुपए का भुगतान करना होगा। इस अवसर पर बताया गया कि प्रत्येक स्वच्छता मित्र को 16700 लागत की स्वच्छता किट प्रदान की गई है।

सभी राजनैतिक दल प्रत्येक मतदान केन्द्र के लिये अपने-अपने बीएलए नियुक्त करें - संभाग आयुक्त श्री खत्री

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ एवं भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत पूर्ण करें। यह निर्देश रोल प्रेक्षक एवं संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने ग्वालियर जिले के एसआईआर कार्य की समीक्षा के दौरान दिए। उन्होंने बैठक में मौजूद राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी कि नो ङ्क मैपिंग वाले मतदाताओं को जारी नोटिस की सुनवाई के दौरान संबंधित मतदाता आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत कर सकता है। साथ ही यदि सुनवाई में उपस्थित न हो पाएं तो वह संबंधित बीएलओ, ईआरओ व एईआरओ को भी दस्तावेज प्रस्तुत कर सकता है।

शुक्रवार को संभाग आयुक्त कार्यालय में आयोजित हुई बैठक में प्रभारी कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनिल बनवारिया, जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण मौजूद थे। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने दलों की ओर से नए मतदान केन्द्रों सहित सभी मतदान केन्द्रों के लिये बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) अवश्य नियुक्त करें। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि बीएलए संबंधित मतदान केन्द्र के क्षेत्र का ही निवासी हो।

उन्होंने कहा कि बीएलए के माध्यम से सर्वे कराकर 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पात्र एवं नवविवाहित महिलाओं के छूटे नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिये फॉर्म-6 भरवाने का काम कराएं। साथ ही मृत व स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटवाने के लिये फॉर्म-7 व फॉर्म-8 भरवाकर बीएलओ को उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

नगरपालिका द्वारा नजूल कॉलोनी में पार्क का हटाया अतिक्रमण

गुना/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका परिषद गुना एवं जिला प्रशासन की टीम द्वारा आज नजूल कॉलोनी स्थित पार्क के अंदर एवं बाहर का अतिक्रमण हटाये जाने की कार्यवाही की गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री मंजुषा खत्री ने बताया कि आज नजूल कॉलोनी में तहसीलदार श्री जीएस बैरवा, पुलिस की टीम के साथ नजूल कॉलोनी स्थित पार्क का अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।इस दौरान पार्क के अंदर बना कमरा ध्वस्त कर दिया है, साथ ही पार्क के बाहर बाउण्ड्री से लगे अतिक्रमण को भी हटा दिया गया है, जिससे नागरिकों को पार्क तक आने-जाने में सुविधा होगीएवं पार्क का विकास हो सकेगा। प्र.सीएमओ सुश्री खत्री ने बताया कि पार्क में अतिक्रमण की शिकायत मिल रही थी।जिसकी विगत दिनों जांच कराई गई तथा संबंधितों को समझाइए दी गई थी, कि वह स्वयं अतिक्रमण हटा लें अन्यथा नपा प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटा दिया जाएगा। जिसके विरूद्ध आज कार्यवाही करते हुए नगरपालिका प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटा दिया गया है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकाल फेज- 2 पूरा होते ही बदलेगा तस्वीर, 47 हेक्टेयर में फैलेगा श्रद्धा का संसार

242 करोड़ की लागत से विकसित होगा महाकाल लोक 2.0, भक्त निवास और नई दर्शन सुविधाएं होंगी शुरू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नए साल के साथ ही श्री महाकालेश्वर मंदिर में विकास की दूसरी बड़ी तस्वीर सामने आने लगी है। महाकाल लोक फेज-2 के अधूरे काम पूरे होते ही न सिर्फ मंदिर परिसर का स्वरूप बदलेगा, बल्कि श्रद्धालुओं को पहले से कहीं ज्यादा सुविधाजनक और यादगार दर्शन अनुभव मिलेगा। करीब 242 करोड़ रुपए की लागत से चल रहे फेज-2 के कार्यों के पूरा होने पर मंदिर परिसर का क्षेत्रफल 2.8 हेक्टेयर से बढ़कर करीब 47 हेक्टेयर हो जाएगा।

फेज-2.0 में नीलकंठ द्वार, अनुभूति वन, रुद्रसागर सौंदर्यीकरण, अंडरग्राउंड टनल, शिखर दर्शन सुविधा और 2000 कमरों का विशाल भक्त निवास जैसे बड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं। कई कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि शेष को 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

श्रद्धालुओं के लिए बदलेगा अनुभव - फेज- 2 के पूरा होते ही महाकाल दर्शन केवल पूजा तक सीमित नहीं रहेंगे। बेहतर पार्किंग, ठहरने की व्यवस्था, अन्न क्षेत्र, घूमने-देखने की नई जगहें और सुविधाजनक आवागमन व्यवस्था श्रद्धालुओं को उज्जैन में अधिक समय रुकने के लिए प्रेरित करेंगी। इससे शहर की धार्मिक पर्यटन अर्थव्यवस्था को भी बड़ा संबल मिलेगा।

महाराजवाड़ा परिसर बनेगा आकर्षण का केंद्र- महाराजवाड़ा स्कूल भवन अब हेरिटेज होटल का रूप ले चुका है। यहां स्थापित कुंभ संग्रहालय में सिंहस्थ और कुंभ के इतिहास, परंपराओं और धार्मिक महत्व को सजीव रूप में दर्शाया गया है। होटल की बढ़ती डिमांड को देखते हुए 2026 में कमरों की संख्या बढ़ाने की तैयारी है।

नीलकंठ वन- मेघदूतम से प्रेरित अनुभूति- महाकवि कालिदास के मेघदूतम की परिकल्पना पर आधारित नीलकंठ वन (अनुभूति वन) में सुंदर लैंडस्केपिंग, फव्वारे और भगवान शिव से जुड़े भित्ति चित्र लगाए गए हैं। बड़ा गणेश मंदिर के पास स्थित यह वन क्षेत्र 2026 में श्रद्धालुओं के लिए खोला जा सकता है।

रुद्रसागर को मिला नया जीवन- फेज 2 के तहत रुद्रसागर का सौंदर्यीकरण पूरा हो चुका है। जलस्तर सुधार, आकर्षक लैंडस्केपिंग और मनोरंजन क्षेत्रों का विकास किया गया है। सागर के चारों ओर विकसित लेक फ्रंट उज्जैन की एक नई पहचान बनेगा।

अंडरग्राउंड टनल और शिखर दर्शन - श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तैयार अंडरग्राउंड टनल 2026 में और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी। वहीं मंदिर के पीछे तैयार किए गए विशेष स्थल से शिखर दर्शन की सुविधा भी अगले वर्ष शुरू होने की संभावना है।

भक्त निवास और पार्किंग से मिलेगी राहत- फेज2.0 के अंतर्गत 2000 कमरों का भक्त निवास और 500 वाहनों की पार्किंग का कार्य अभी शेष है। इसके पूरा होते ही भीड़ प्रबंधन और ठहराव की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी।

फेज 2.0 की प्रमुख परियोजनाएं

नीलकंठ द्वार व अनुभूति वन
महाराजवाड़ा परिसर का पुनर्विकास
रुद्रसागर सौंदर्यीकरण व लेक फ्रंट
अंडरग्राउंड टनल
शिखर दर्शन सुविधा
2000 कमरों का भक्त निवास

यह होगा सीधा फायदा

श्रद्धालुओं को बेहतर दर्शन अनुभव
ठहरने और पार्किंग की पर्याप्त सुविधा
पर्यटन अवधि बढ़ेगी
स्थानीय व्यापार और रोजगार को बढ़ावा

महापौर, निगम अध्यक्ष एवं आयुक्त द्वारा गऊघाट फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएचई विभाग द्वारा नियमित रूप से शहर में साफ एवं स्वच्छ जल पेयजल हेतु सप्लाई किया जा रहा है साथ ही विभाग का जो कार्य है जिसमें क्षतिग्रस्त लाइनों का संधारण करना, लीकेज को ठीक करना, पानी के अपव्यय को रोकना, पानी की शुद्धता की जांच एवं पेयजल टंकियों की नियत समय अवधि में सफाई का कार्य नियमित रूटीन कार्य के अनुसार ही किया जा रहा है इसी क्रम में शुक्रवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, जल कार्य समिति प्रभारी श्री प्रकाश शर्मा द्वारा पीएचई के अधिकारियों के साथ गऊघाट फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया गया जहां समुचित व्यवस्थाएं उचित पाई गई, फिल्टर प्लांट के सभी पंप चालू अवस्था में कार्यरत एवं क्लोरीन, केमिकल, ब्लीचिंग पाउडर की पर्याप्त उपलब्धता, पानी की नियमित जांच हेतु लैब टेकनीशियन इत्यादि व्यवस्थाएं सुनिश्चित है।

पेयजल टंकियों की सफाई के दौरान सफाई करने की दिनांक एवं आगामी सफाई की दिनांक अंकित की जा रही है साथ ही एक रजिस्टर का संधारण करते हुए क्षेत्र के रहवासियों से भी फीडबैक लिया जा रहा है, इसी प्रकार पेयजल सप्लाई के दौरान सब इंजीनियर एवं टंकी प्रभारी द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण करते हुए पानी की शुद्धता की जांच कर रहे हैं जहां से कोई शिकायत प्राप्त होती है तो उसका भी समाधान निश्चित समय अवधि में किया जा रहा है इसके लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है जिसमें शिकायतकर्ता पेयजल से संबंधित शिकायतें दर्ज कर सकते हैं, विभाग का कार्य शहर में शुद्ध पेयजल सप्लाई करना है शहरवासियों को किसी भी प्रकार से चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है नियमित रूप से शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु मॉनिटर का कार्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है इस दौरान अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह, कार्यपालन यंत्री श्री वैभव भावसार, सहायक यंत्री श्री शिवम दुबे, श्री दिलीप नौधाने, उपयंत्री उपस्थित रहें।

सीपीआर देकर प्रधान आरक्षक ने बचाई यात्री की जान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जीआरपी के प्रधान आरक्षक ने गुरूवार को ड्युटी के दौरान सेवा, सुरक्षा और संवेदना के मंत्र को चरितार्थ किया। ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्री को अचानक दिल का दौरा पड़ गया। उसकी सांसे थम सी गई थी। प्रधान आरक्षक ने सीपीआर दिया, 10 मिनट बाद यात्री की सांसे लौट आई।

नववर्ष पर परिवार के साथ महाकाल दर्शन करने ब्यावरा से देवीलाल पिता रामचंद्र 30 साल उज्जैन आया था। देवदर्शन के बाद शाम का परिवार वापस लौटने के लिये रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नम्बर 6 पर पहुंचा। उन्हे उज्जैयनी एक्सप्रेस से लौटना था। ट्रेन के आगमन से पहले ही देवीलाल को दिल का दौरा पड़ गया। वह अचेत हो गया, परिवार उसकी हालत देख बिलख उठा, विलाप का शोर सुनकर प्लेटफार्म पर ड्युटी कर रहे जीआरपी प्रधान आरक्षक पवन धुर्वे तत्काल पहुंचे, उन्होने जमीन पर पड़े युवक को देखा तो उसकी सांसे चैक की, जो थम सी गई थी, प्रधान आरक्षक ने तत्काल पुलिस ट्रेनिंग के दौरान सिखाये गये सीपीआर तकनीकी का प्रयोग युवक पर शुरू किया, करीब 10 मिनट तक सीपीआर देने के बाद युवक की धड़कने लौट आई, वह हाथ-पैर चलाने लगा था, उसे तत्काल उठाया गया और प्लेटफार्म पर लगी टेबल पर बैठाया। उसे जीवित देख परिवार भी उससे लिपट गया। कुछ देर में देवीलाल पूरी तरह से स्वस्थ्य दिखाई देने लगा। प्रधान आरक्षक ने ट्रेन के आने पर पूरे परिवार को कोच में बैठाया और रवाना किया। जीआरपी प्रधान आरक्षक की तत्परता, मानवता और सेवा समर्पण को देख परिवार ने आभार माना। वहीं प्लेटफार्म पर मौजूद यात्रियों ने भी प्रधान आरक्षक की सराहना की।

अमेरिका और रूस तक विक्रम उद्योगपुरी में बने भारतीय कंपनियों के उत्पादों की डिमांड

विक्रम उद्योगपुरी, नागझिरी के अलावा देवास और रतलाम के औद्योगिक क्षेत्र में कई भारतीय कंपनियों ने लगाए हैं उद्योग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम उद्योगपुरी का औद्योगिक मानचित्र तेजी से वैश्विक पहचान बना रहा है। उज्जैन के विक्रम उद्योगपुरी और नागझिरी के साथ देवास व रतलाम के औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित भारतीय कंपनियों का तैयार माल अब अमेरिका से लेकर रूस, यूक्रेन और कनाडा तक पहुंच रहा है। इससे न केवल प्रदेश की औद्योगिक क्षमता मजबूत हुई है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं।

एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ ने बताया कि विक्रम उद्योगपुरी, नागझिरी, देवास औद्योगिक क्षेत्र और रतलाम में स्थापित कई भारतीय कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपने उत्पादों का निर्यात कर रही हैं। इनमें अमूल इंडिया, इस्कॉन बालाजी, बेस्ट लाइफस्टाइल, आरपीएसपीएल, सन फार्मास्यूटिकल और आईपीसीए लैबोरेट्रीज प्रमुख हैं। इन कंपनियों के उत्पाद अमेरिका, यूक्रेन, रूस, कोरिया, कनाडा और सिंगापुर जैसे देशों को भेजे जा रहे हैं। उद्योग विस्तार के तहत ग्राम नागझिरी में बेस्ट लाइफ कॉर्पोरेशन तथा ग्राम नवाखेड़ा में प्रतिभा स्वराज लिमिटेड को भूमि आवंटित कर वस्त्र एवं परिधान उद्योग को बढ़ावा दिया गया है। इन दोनों परियोजनाओं से लगभग 315 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है और 5 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला है, जिनमें 90 प्रतिशत से अधिक महिलाएं कार्यरत हैं।

उच्च कौशल और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उज्जैन में आईटी पार्क फेस-1 का निर्माण कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। 2.161 हेक्टेयर भूमि पर विकसित हो रही इस परियोजना का भूमिपूजन पिछले वर्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया था।

वहीं ताजपुर औद्योगिक क्षेत्र को 85 हेक्टेयर में 56 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है, जहां अब तक 180 इकाइयों को भूमि आवंटित की जा चुकी है। यहां 115 करोड़ रुपये के निवेश से 650 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। प्रदेश के ये औद्योगिक प्रयास उज्जैन संभाग को निवेश और रोजगार के बड़े केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

एक नजर में

उद्योग क्षेत्र- उज्जैन (विक्रम उद्योगपुरी, नागझिरी), देवास, रतलाम
निर्यात देश- अमेरिका, रूस, यूक्रेन, कोरिया, कनाडा, सिंगापुर
प्रमुख कंपनियां- अमूल, सन फार्मा, आईपीसीए, आरपीएसपीएल, बेस्ट लाइफ
निवेश- 315 करोड़ रुपये (वस्त्र परियोजनाएं)
रोजगार- 5,000+ (90% महिलाएं)
आईटी पार्क - 2.161 हेक्टेयर में निर्माणाधीन

कप्तान ने किया बिरलाग्राम थाना स्टाफ को पुरस्कृत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कानून व्यवस्था और अपराधित नियंत्रण के साथ अभिलेखों के संधारण का निरीक्षण करने एक थाने से दूसरे थाने पहुंच रहे पुलिस कप्तान ने शुक्रवार को बिरलाग्राम थाने का जायजा लिया और पूरे स्टाफ को पुरस्कृत किया। पुलिस कप्तान प्रदीप शर्मा पिछले कुछ महीनो से लगातार जिले के थानों का औचक निरीक्षण करने पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को बिरला ग्राम थाने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, अभिलेखों के संधारण, साफ-सफाई, आमजन से व्यवहार के साथ-साथ थाना परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का भी अवलोकन किया। थाना स्टाफ की कार्यशैली काफी सराहनीय होना सामने आई। अभिलेखों का संधारण और आमजन से व्यवहार भी संतोषजनक पाया गया। उन्होंने थाना इंचार्ज जितेंद्र पाटीदार सहित पूरे स्टाफ को 10 हजार के इनाम से पुरस्कृत किया। पुलिस कप्तान निरीक्षण के दौरान अच्छा कार्य करने वालों को लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं और उन्हें पुरस्कृत किया जा रहा है। इससे पहले भेरूगढ़ और महाकाल थाना निरीक्षण के दौरान प्रधान आरक्षकों और उप निरीक्षक को भी वह इनाम दे चुके हैं। अब तक के थाना निरीक्षण के दौरान नीलगंगा थाना पुलिस ही कप्तान की कार्य शैली पर खड़ा नहीं उतर पाया था। नीलगंगा थाने के 13 पुलिस कर्मियों का एक दिन का वेतन काटा जा चुका है।

परिवार और अपनों के सताए 100 से अधिक वृद्ध पहुंचे वरिष्ठ नागरिक सेल

पुलिस से किसी ने बच्चों द्वारा खाना नहीं देने तो किसी ने जमीन और मकान नाम नहीं करने पर घर से निकालने और मारपीट की दर्ज कराई शिकायत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बदलते सामाजिक हालात में बुजुर्गों की पीड़ा सामने आ रही है। वरिष्ठ नागरिकों की मदद के लिए पुलिस द्वारा गठित वरिष्ठ नागरिक सेल में पिछले एक वर्ष के दौरान 100 से अधिक वृद्ध न्याय की आस लेकर पहुंचे। इनमें कई शासकीय और पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त कर्मचारी भी शामिल रहे, जिन्होंने अपने ही परिवार और बच्चों द्वारा प्रताड़ित किए जाने की शिकायतें दर्ज कराईं।

पुलिस द्वारा प्रत्येक बुधवार को वरिष्ठ नागरिक सेल के माध्यम से विशेष जनसुनवाई की जाती है। इस दौरान पिछले वर्ष कुल 135 वृद्ध अपनी समस्याएं लेकर पुलिस के समक्ष उपस्थित हुए। वरिष्ठ नागरिकों ने बताया कि कहीं बच्चों द्वारा खाना नहीं दिया जा रहा, तो कहीं जमीन और मकान बच्चों के नाम नहीं करने पर घर से निकालने और मारपीट तक की नौबत आ रही है।

वरिष्ठ नागरिक सेल में दर्ज शिकायतों में प्रमुख रूप से बच्चों द्वारा संपत्ति नामांतरण का दबाव, मकान से बेदखल करने की धमकी, जमीन हड़पने और शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना के मामले सामने आए। कई वृद्ध महिलाओं ने भी अपनी बहुओं के खिलाफ प्रताड़ना की शिकायतें दर्ज कराईं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार वरिष्ठ नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की गई। अधिकांश मामलों में परिजनों को बुलाकर समझाइश दी गई और बुजुर्गों के अधिकारों की जानकारी भी दी गई। पुलिस का कहना है कि लगभग सभी प्रकरणों में वरिष्ठ नागरिकों को राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

प्रमुख आंकड़े और तथ्य

जनसुनवाई- प्रत्येक बुधवार
पहुंचे वरिष्ठ नागरिक- 135 (एक वर्ष में)
शामिल- शासकीय व पुलिस विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी
प्रमुख शिकायतें-
खाना नहीं देना
संपत्ति नामांतरण का दबाव
घर से निकालना
मारपीट व मानसिक प्रताड़ना
जमीन हड़पने के मामले
पुलिस कार्रवाई- समझाइश व त्वरित हस्तक्षेप

2026 में ठंड का सितम, दिनभर चली सर्द हवा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2026 आगाज कड़ाके की ठंड के साथ हुआ है। साल के दूसरे दिन दिन भर सर्द हवा चलती रही। लोग ठंड से बचने के जतन करते रहे है। शाम होने से पहले ही अलाव जलने लगे थे। गुरुवार शुक्रवार रात न्यूनतम तापमान में तेजी आई थी वहीं शुक्रवार को अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम वैज्ञानिकों ने पहले ही जता दिया था कि जनवरी माह कड़ाके की ठंड के बीच गुजरेगा, जो अब सटिक साबित होता दिखाई दे रहा है। नववर्ष के पहले दिन ही आसमान में बादलों की दस्तक हो गई थी और अधिकतम तापमान में गिरावट आई थी। शुक्रवार सुबह शहर में घना कोहरा दिखाई दिया। आसमान में बादल छाए हुए हैं जिसकी वजह से सूर्य की रोशनी मध्यम हो गई है। ठंड से लोग ठिठुर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार 4 जनवरी तक इसी तरह का मौसम बना रह सकता है। पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय हुआ है। आसमान में छाए बादलों की वजह से गुरुवार-शुक्रवार रात न्यूनतम तापमान में तेजी आई है। जीवाजी राव वेधशाला पर न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री दर्ज हुआ है जो दिसंबर माह के अंतिम दिन तक 10 डिग्री से नीचे बना हुआ था। स्थानीय वेधशाला अधीक्षक डॉक्टर राजेंद्र कुमार गुप्ता के अनुसार शुक्रवार को दिनभर चली ठंडी हवा से अधिकतम तापमान 22.5 डिग्री दर्ज किया गया है। आसमान में बादल होने की वजह से अधिकतम तापमान कम होगा। जिसके चलते ठंड महसूस हो रही है। दो दिन बाद मौसम पूरी तरह से साफ होते ही शीतलहर चलने लगेगी। पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी के चलते ठंडी हवा का रूख प्रदेश की ओर बना हुआ है।

एमआरपी से ज्यादा वसूली पर नापतौल विभाग की कार्रवाई, होटल पर 5 हजार का जुर्माना

महाराष्ट्र से आए श्रद्धालु की शिकायत पर जांच, 30 की बोतल 35 में बेची गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को महाकाल नगरी में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं से मनमानी वसूली करने वालों पर नापतौल विभाग ने सख्ती दिखाई है। हाल ही में महाराष्ट्र से उज्जैन दर्शन के लिए आए एक श्रद्धालु की शिकायत पर रेलवे स्टेशन रोड स्थित एक होटल के खिलाफ कार्रवाई की गई। जांच में सामने आया कि होटल संचालक ने पैकेज बंद पेयजल की बोतल एमआरपी से अधिक कीमत पर बेची।

नापतौल विभाग के निरीक्षक ने बताया कि श्रद्धालु ने शिकायत दर्ज कराई थी कि होटल द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूली गई है। शिकायत की पुष्टि के लिए विभाग के श्रम सहायक बलदेव प्रसाद और पंकज चौहान को संबंधित होटल में खरीदी के लिए भेजा गया। जांच के दौरान पाया गया कि होटल संचालक ने पतंजलि कंपनी की 2 लीटर पानी की बोतल, जिसकी एमआरपी 30 रुपए अंकित थी, उसे 35 रुपए में बेचा।

नियमों का उल्लंघन साबित - जांच में यह कृत्य विधिक माप विज्ञान (पैकेज में रखी वस्तुएं) नियम 2011 के नियम 18(2) का उल्लंघन पाया गया। इसके आधार पर होटल संचालक के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

होटल संचालक द्वारा त्रुटि स्वीकार करते हुए राजीनामा आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिस पर विभाग ने 5 हजार रुपए की राशि राजीनामा शुल्क के रूप में आरोपित की।

श्रद्धालुओं से मनमानी नहीं चलेगी - नापतौल विभाग ने स्पष्ट किया है कि धार्मिक नगरी उज्जैन में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ किसी भी प्रकार की आर्थिक अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभाग की ओर से आगे भी ऐसे मामलों में नियमित जांच और औचक निरीक्षण जारी रहेंगे।

क्या थी शिकायत

महाराष्ट्र से आए श्रद्धालु ने की शिकायत
रेलवे स्टेशन रोड स्थित होटल पर आरोप
एमआरपी 30 रुपए की बोतल 35 रुपए में बेची गई

नापतौल विभाग की चेतावनी

सभी व्यापारी पैकेज बंद वस्तुएं एमआरपी पर ही बेचें
अधिक मूल्य वसूली पर होगी दंडात्मक कार्रवाई
उल्लंघन मिलने पर जुर्माना और कानूनी प्रकरण दर्ज

सिविल इंजीनियर और सेलून संचालक में लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिविल इंजीनियर और सेलून दुकान का संचालन करने वाले दो लोगों ने गुरुवार शुक्रवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सिविल इंजीनियर शराब पीने का आदि था उसने नशे में मौत को गले लगाया। सेलून संचालक कर्ज में डूबा हुआ था। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। नागझरी क्षेत्र के मालनवासा में रहने वाला कपिल पिता खेमचंद भंडारी 45 साल सिविल इंजीनियर था और प्राइवेट काम करता था। नववर्ष पर पत्नी दिशा अपने छोटे बेटे के साथ इंदौर में रहने वाले बड़े बेटे के यहां गई हुई थी। रात में आसपास के लोगों ने दिशा को फोन कर बताया कि कपिल शराब पीकर हंगामा कर रहा है। दिशा ने मुंह बोली बहन के बेटे विशाल को समझने के लिए घर भेजा, लेकिन काफी देर हो चुकी थी विशाल के घर पहुंचते ही कपिल फंदे पर लटका दिखा। विशाल ने फंदे से उतरा और अस्पताल लेकर पहुंचा जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दूसरा मामला नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के जवाहर नगर से सामने आया। महानंदा नगर में हेयर सालों की दुकान चलाने वाले मनोज पिता जगदीश सेन 46 वर्ष ने मकान की पहली मंजिल के कमरे में फांसी लगा ली थी। मां पार्वती मनोज की गाड़ी बाहर खड़ी देख उसे अंदर रखने के लिए बोलने पहली मंजिल पर गई तो उसने बेटे को फंदे पर लटका देखा। मनोज की पत्नी अपने बच्चों के साथ रिश्तेदार के यहां जन्मदिन के कार्यक्रम में गई हुई थी। मनोज को नीचे उतर गया और अस्पताल लाया गया। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मनोज कर्ज से परेशान था संभवत किसी के चलते उसने मौत को गले लगाया है।

दूषित जल से रहे सतर्क, हमेशा स्वच्छ जल का करें उपयोग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दूषित जल के सेवन से टाइफाईट पीलिया, डायरियों, पैचिस एवं हेजा जैसी बीमारियां भी फैलती है। अतः भोजन बनाने में एवं पेयजल के रूप में शुद्ध उबला हुआ जल का उपयोग करें। कुछ भी खाने के पहले व शौच के पश्चात साबुन से अवश्य हाथ धोवे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन डॉ.अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया कि शुद्ध पेयजल की कमी के कारण देश में जल जनित रोगों से सबसे अधिक यानि लगभग 80 प्रतिशत मौतें होती है।

पेयजल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शुक्रवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी ग्रामीण और जल निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। पानी की गुणवत्ता से संबंधित कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए। ओवर हेड टेंक और पानी की टंकियों की साफ-सफाई नियमित रुप से होना चाहिए। सभी सीईओ जनपद पंचायत यह सुनिश्चित करें। ईई जल निगम और पीएचई विभिन्न जनपद पंचायतों में एई और एसडीओ के साथ भ्रमण करें और पेयजल की गुणवत्ता की समय-समय पर जांच करवाई जाए। अलग-अलग क्षेत्रों से पेयजल के सेंपल लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच की जाए। टेस्टिंग किट सभी जगह पर पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होनी चाहिए। पेयजल के स्त्रोंत के आसपास किसी भी प्रकार की गंदगी न रहे यह सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में बताया गया कि जल निगम द्वारा जल रेखा पोर्टल पर निर्मल मोड्युल के अंतर्गत पेयजल के सेंपल्स की प्रतिदिन मॉनीटरिंग की जा रही है। इसके टेस्ट रिकार्ड ऑनलाईन उपलब्ध हैं। वर्तमान में जल निगम द्वारा उज्जैन जिले में 03 योजनाएं संचालित की जा रही है।

इनमें अरनिया बहादुर, नागदा और इंदौख एमबीएस शामिल हैं। इंदौख के 678 सेंपल्स, अरनिया बहादुर के 1018 सेंपल्स और नागदा के 946 सेंपल्स का अभी तक परीक्षण किया जा चुका है।

जिले में जल जीवन मिशन के तहत एकल ग्राम नल जल योजना में 546 नियमित रुप से संचालित हैं। इसी प्रकार जिले के अंतर्गत वर्तमान में 9083 हैंडपंप क्रियाशील हैं।

उक्त समस्त जल स्त्रोतों का निरंतर जल परीक्षण जिला स्तरीय प्रयोगशाला एवं उपखंड स्तरीय प्रयोगशाला में किया जाता है, जिसके तहत इस वर्ष 4214 जल स्त्रोतों का जल परीक्षण किया गया है तथा ग्राम जल स्वच्छता समिति द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से निरंतर जल परीक्षण किया जा रहा है।